राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 09 अगस्त 2024 वर्ष-7,अंक-197 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

हिमाचल में भूस्खलन से 100 से ज्यादा सड़कें बंद, कई क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में भारी बारिश से भूस्खलन हुआ और राज्य में 100 से ज्यादा सड़कें बंद होने से यातायात बाधित हुआ है। मौसम विभाग ने दस अगस्त को राज्य में अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश, गरज के साथ छींटे पड़ने और बिजली गिरने का 'ऑरेन्ज अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में कांगड़ा, सिरमौर, चंबा, शिमला, कुल्लू, किन्नौर, सोलन और मंडी जिलों में बाढ़ की चेतावनी भी दी है।राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक मंडी में 37, शिमला में 29, कुल्लू में 26, कांगड़ा में 6, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में 4-4, सिरमौर में 2 और हमीरपुर में 1 समेत कुल 109 सड़कें बंद हो गई हैं। अगले कुछ दिनों में मानसून की गतिविधि की तीव्रता और प्रभाव क्षेत्र में बढ़ोतरी की आशंका है। मौसम विभाग ने कुछ स्थानों पर भूस्खलन और अचानक बाढ़ की चेतावनी भी दी है। विभाग ने निचले इलाकों में तेज हवाओं और जलभराव के कारण बागानों, फसलों, कमजोर संरचनाओं और कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की भी आशंका जताई है।

छह लाख नकदी व 6.655 किलोग्राम हेरोइन समेत दो गिरफ्तार

फिरोजपुर। यूपी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। फिरोजपुर पुलिस ने भारत-पाक सीमा के पास दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 6.655 किलोग्राम हेरोइन और 6 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि सूचना मिलने के बाद जिला फिरोजपुर की सीआईए टीम ने सफलतापूर्वक अभियान चलाया और इन तस्करों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर तस्करों के संपर्कों का पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है।

सोनिया गांधी से मिलीं विजेता मनु भाकर

नई दिल्ली। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात की। सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी ने उन्हें बधाई दी और भविष्य की खेल प्रतियोगिताओ के लिए शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस ने इस मुलाकात की तस्वीर जारी की है। मनु भाकर (22) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता। वह स्वतंत्रता के बाद किसी एक ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है। उनसे पहले, केवल ब्रिटिश मूल के भारतीय एथलीट नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी।

खाली घर से करोड़ों का गांजा बरामद

गुरुग्राम। पटौदी क्षेत्र के नानू खुर्द गांव में एक खाली घर से करोड़ों रुपये मूल्य का लगभग 762 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर, निरीक्षक संदीप कुमार के नेतृत्व में डीएलएफ फेज 4 अपराध इकाई की टीम ने सोमवार रात नानू खुर्द गांव में एक घर पर छापा मारा। पुलिस की टीम जब घर पर पहुंची तो वह बंद मिला।इसके बाद उन्होंने घर के मालिक राम सिंह से संपर्क किया। वह दौलताबाद कुनी गांव का मूल निवासी है। पुलिस ने बताया कि एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया और गांव के सरपंच एवं एक गार्ड की मौजूदगी में घर का ताला तोड़ा गया तथा छापेमारी की वीडियोग्राफी भी हुई।उन्होंने कहा, जांच के दौरान टीम को प्लास्टिक की बोरियों में 762 किलोग्राम अवैध गांजा मिला। बाद में पटौदी पुलिस थाने में एक अज्ञात संदिग्ध के खिलाफ स्वापक औषधि और मनप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस तस्करों की तलाश के लिए छापेमारी कर रही है।

वन नेशन-वन इलेक्शन के पक्ष में 32 दल....विरोध में 15

15 राजनीतिक दल ने कोई जबाव नहीं दिया

नई दिल्ली । केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद में बड़ा बयान दिया है। वन नेशन-वन इलेक्शन को लेकर उन्होंने कहा कि 32 पार्टियां एक देश-एक चुनाव के पक्ष में हैं। जबकि, 15 राजनीतिक दल इसके विरोध में थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में वन नेशन-वन इलेक्शन पर विचार के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने 14 मार्च 2024 को 18,626 पन्नों की एक रिपोर्ट वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि एक देश, एक चुनाव को लेकर कमेटी ने 62 पार्टियों से संपर्क किया था। इसमें 62 में से 47 दलों ने ही जवाब दिया था, इसमें से 32 पार्टियों ने वन नेशन-वन इलेक्शन का समर्थन किया। इसके अलावा 15 दलों ने वन नेशन-वन इलेक्शन नीति का विरोध किया और 15 पार्टियों ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। इसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा ने भी वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव का विरोध किया था। वहीं, भाजपा ने इसका समर्थन किया था। हाईकोर्ट के तीन रिटायर्ड जजों ने भी इस प्रस्ताव पर अपनी असहमति जाहिर की। विरोध करने वाले जजों में दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस अजीत प्रकाश शाह, कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस गिरीश चंद्र गुप्ता और मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस संजीब बनर्जी शामिल हैं। हालांकि, हाईकोर्ट के 9 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया था। बता दें कि वन नेशन-वन इलेक्शन (एक देश, एक चुनाव) एक प्रस्तावित चुनावी प्रणाली है। इसमें देश में एक ही समय पर सभी चुनाव आयोजित किए जाएंगे।

राजस्थान के जैसलमेर में आसमान से खगोलीय पिंड के गिरने की आशंका

जैसलमेर ।

राजस्थान के जैसलमेर में आसमान से खगोलीय पिंड के गिरने की आशंका जतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार इस वस्तु के गिरने की आवाज आसपास के कई किलोमीटर तक सुनने को मिली। घटना की सूचना के बाद प्रशासन की टीम घटना स्थल पर रवाना हुई। देर रात तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों ने आवाज सुनने की पुष्टि की है। बताया गया कि जैसलमेर के आस-पास 40 किलो मीटर तक धमाके जैसी यह आवाज सुनी गई। जानकारी के अनुसार जैसलमेर के सदर थाना क्षेत्र के किता और बड़ोडागाव के बीच किसी वस्तु के गिरने की बात कही जा रही है। हालांकि पुलिस प्रशासन की तरफ से अब तक इसे लेकर कुछ भी नहीं कहा गया है।

लोकसभा में पेश हुआ वक्फ संशोधन बिल, विपक्ष ने किया विरोध

कहा- यह संविधान में दिए धर्म और फंडामेंटल राइट्स पर हमला है

नई दिल्ली।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) बिल 2024 पेश किया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। वेणुगोपाल ने कहा कि यह बिल संविधान की ओर से दिए धर्म और फंडामेंटल राइट्स पर हमला है। उन्होंने साफ कहा कि यह संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अयोध्या के मंदिर में कोई नॉन हिंदू है, क्या किसी मंदिर की कमेटी में किसी गैर हिंदू को रखा गया है।

वेणुगोपाल ने कहा कि वक्फ भी एक धार्मिक संस्था है। इस बिल से समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम हिंदू हैं लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों की आस्था का भी सम्मान करते हैं। उन्होंने दावा किया कि यह बिल महाराष्ट्र, हरियाणा के चुनावों के लिए बनाया गया है। आप नहीं समझते कि पिछली बार भारत की जनता ने आपको साफ तौर पर सबक सिखाया था। यह संघीय व्यवस्था पर हमला है।

एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि या तो इस बिल को पूरी तरह से वापस ले या इसे स्थायी समिति को भेज दिया जाए। कृपया बिना परामर्श के एजेंडा आगे न बढ़ाया जाए। लोकसभा में आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि आप वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद को पूरी तरह से कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप व्यवस्था को खत्म कर रहे हैं। यह संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। मैं सरकार को चेतावनी देता हूं कि अगर इस कानून की न्यायिक जांच की गई तो यह निश्चित रूप से रद्द हो जाएगा।

बांग्लादेश में हालात बदतर, घरों में लुटेरे कर रहे लूट और महिलाओं से दुष्कर्म

-लोग रातभर जाग कर गुजार रहे रातें, अधिकारी और नेताओं को भी नहीं छोड़ रहे

नई दिल्ली।

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में अराजकता का माहौल है वहां हर तरफ आगजनी, लूट और मार काट मची हुई है। सड़कों पर इंसानियत, कानून और शर्म की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। महिलाओं में डर, बच्चों की खामोशी और बुजुर्गों की बेबसी साफ नजर आ रह है। हालात कितने खराब हैं कि एक अच्छे कल के लिए बांग्लादेश की भीड़ ने शेख हसीना सरकार को उखाड़ फेंका है उससे भविष्य के खतरे पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। बांग्लादेश में घरों को लूटा जा रहा है। रात भर लोग जग रहे हैं। उन्हें डर हैं कि कहीं उनके घर को लुटेरे निशाना न बना लें। ये हालात सिर्फ ढाका के ही नहीं हैं, बल्कि बांग्लादेश के हर कोने से ऐसी ही घटनाएं सामने आ रही हैं। लुटेरे ट्रकों में आ रहे हैं और इलाके को टारगेट कर रहे हैं। घरों में लूट के साथ ही महिलाओं से दुष्कर्म की भी घटनाएं सामने आ रही हैं। घरों को आग के हवाले कर दिया जा रहा है। लुटेरो इतने बेखौफ हैं उन्हें हिंदू या मुस्लिम से लेना देना नहीं है बस लूटपाट करना ही उनका मकसब है। वह अधिकारियों और नेताओं तक को भी नहीं छोड़ रहे हैं। इस हिंसा में कई नेताओं की जान जा चुकी है। बांग्लादेश के एक पार्षद अमान के घर में आग लगा दी गई जिसमें छह बच्चों की जलने से मौत हो गई है।

दिल्ली सीएम केजरीवाल को नहीं मिली राहत, फिर बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ा दी है। केजरीवाल को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति घोटाले के भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही ठहराया था। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि यह नहीं कहा जा सकता कि केजरीवाल की गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के की गई है।

हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की जमानत याचिका को निरस्त कर दिया और उन्हें अधीनस्थ अदालत में जाने की छूट प्रदान की थी। हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर 17 जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने केजरीवाल और सीबीआई के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद 29 जुलाई को केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

बता दें दिल्ली सीएम केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था, जहां वह ईडी द्वारा दर्ज धनशोधन के एक मामले में न्यायिक हिरासत में बंद थे। केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था और धनशोधन मामले में निचली अदालत ने 20 जून को उन्हें जमानत दे दी थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को केजरीवाल धनशोधन मामले में अंतरिम जमानत दे दी थी।

धनखड़ ने कहा- अध्यक्ष पद की गरिमा को धूमिल करना ही नहीं मर्यादाएं लांघने वाला आचरण

धनखड़ ने कहा- अध्यक्ष पद की गरिमा को धूमिल करना ही नहीं मर्यादाएं लांघने वाला आचरण

नई दिल्ली।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ विपक्ष के आरोप से इतने नाराज हुए कि कुछ देर के लिए यह कहते हुए सदन से चले गए कि उन्हें वह समर्थन नहीं मिला जो उन्हें मिलना चाहिए था। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन के नेताओं की बैठक बुलाई। बैठक में उन्होंने साफ कहा कि सदन में जो दृश्य बना वह अभूतपूर्व और असहनीय था। कड़े फैसले लेना हमारा कर्तव्य है। इससे पहले सभापति ने कहा कि इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय लोकतंत्र पर हमला करना, अध्यक्ष पद की गरिमा को धूमिल करना, ये सिर्फ अभद्र आचरण नहीं है, ये सारी मर्यादाएं लांघने वाला आचरण है। सभापति धनखड़ ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से जो मैं देख रहा हूं और जिस तरह से शब्दों, पत्रों और अखबारों के जरिए से चुनौती दी जा रही है, कितनी गलत टिप्पणियां की गई हैं। ये चुनौती मुझे नहीं दी जा रही है बल्कि ये चुनौती अध्यक्ष पद को दी जा रही है। ये चुनौती इसलिए दी जा रही है क्योंकि विपक्ष को लगता है कि इस पद पर बैठा व्यक्ति इसके लायक नहीं है। इस घटनाक्रम से सभापति धनखड़ और विपक्षी दलों के बीच असहज संबंध एक बार फिर सामने आ गए हैं। उच्च सदन की कार्यवाही शुरु होने पर सूचीबद्ध दस्तावेज सदन में पेश किए जाने के बाद विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराए जाने के मुद्दे पर चर्चा की मांग की और जानना चाहा कि इसके पीछे कौन है। सभापति ने यह मुद्दा उठाने की इजाजत नहीं दी। इस बीच टीएमसी के डेरेक ओब्रायन कुछ मुद्दे उठाने के लिए खड़े हुए लेकिन सभापति ने उन्हें भी अनुमति नहीं दी। सभापति ने विनेश के मामले पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा कर रहे सदस्यों की बात को अनसुनी कर दिया तो सदन में शोरगुल और हंगाम तेज हो गया। इससे सभापति नाराज हो गए और सदन से उठा कर चले गए।

पाकिस्तान ने राहुल गांधी समेत सात सांसदों को भेजे आम, बीजेपी ने कसा तंज

-क्या मैंगो डिप्लोमेसी से पाकिस्तान के साथ कोई डील तो नहीं हो रही है?

नई दिल्ली।

बांग्लादेश में इस समय आग लगी हुई है भारत इसको लेकर चिंतित है और वहां भारतीयों पर जुल्म हो रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान मैंगो डिप्लोमेसी के जरिए भारत के विपक्षी सांसदों से दोस्ती बढ़ा रहा है। दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायुक्त ने विपक्षी नेता राहुल गांधी समेत सात भारतीय सांसदों को आम भिजवाए हैं। एक दूसरे के प्रति रिश्तों में मधुरता के तौर पर मैंगो डिप्लोमेसी का इस्तेमाल होता रहा है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी सांसदों को पाकिस्तानी दूतावास से आम मिलने पर बीजेपी विपक्ष पर हमलावर हो गई है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-पाकिस्तानी दूतावास इन सात भारतीय सांसदों को आम के कार्टन क्यों भेजेगा? राहुल गांधी, कपिल सिब्बल, शशि थरूर, मोहिब्बुल्लाह नदवी, जिया उर रहमान बर्क, अफजाल अंसारी और इकरा हसन। कुछ लोगों को आम कौन भेजता है, इससे भी पहचाना जा सकता है।

वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- राहुल गांधी को यूपी का आम अच्छा नहीं लगता लेकिन राहुल और उनके टुकड़े-टुकड़े गैंग को पाकिस्तान से जब आम आता तो इसका स्वाद अच्छा लगता हैं। क्या मैंगो डिप्लोमेसी में पाकिस्तान के साथ कोई डील तो नहीं हो रही है? वहीं इसको लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी कुछ समय पहले कह रहे थे कि उन्हें यूपी का आम अच्छा नहीं लगता है। पाकिस्तान की एंबेसी ने उन्हें आम भेजे हैं। पाकिस्तान के आम के साथ-साथ और क्या-क्या चीज अच्छी लगती हैं, राहुल गांधी बताएं। पीएम मोदी को हटाने के लिए कुछ नया मांगने गए हैं क्या पाकिस्तान से? पाकिस्तान से इनके नापाक रिश्ते हैं।

बता दें कि आम पारंपरिक रूप से कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भी पीएम मोदी के पदभार संभालने के बाद से हर साल उन्हें आम भेजती रही हैं। उन्होंने इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी आम भेजे थे।

गौरतलब है कि साल 2015 में पाकिस्तान की ओर से सीमा पर गोलीबारी की घटनाओं के बीच तत्कालीन पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ ने मैंगो डिप्लोमेसी के जरिए दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। शरीफ ने तब पीएम मोदी के लिए आम भेजे थे। पीएम मोदी के अलावा पाकिस्तान से तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के लिए भी आम भेजे गए थे।

संपादकीय

विरल अयोग्यता

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ओलंपिक में स्वर्ण की दावेदार थीं, पर उन्हें महज 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से अयोग्य करार देना दुखद और अफसोसनाक है। मंगलवार को एक के बाद एक तीन मुकाबले जीतने और फाइनल में पहुंचने के बाद विनेश ने अपनी मां से कहा था, 'सोना लाना है।' दुर्भाग्य, विनेश ही नहीं, देश का एक सपना अधूरा रह गया। ओलंपिक में पहली बार कोई भारतीय महिला कुश्ती के फाइनल में पहुंची थी। उसे मंगलवार तक 50 किलोग्राम वर्ग में दुनिया का योग्यतम पहलवान माना जा रहा था, पर न जाने एक दिन या एक रात में क्या हो गया कि उनका वजन कुछ ग्राम बढ़ गया और वह अयोग्य करार दे दी गईं? बेशक, अब यह विवाद लंबे समय तक बहस का विषय रहेगा। ओलंपिक के नियम अमानवीय ही नहीं, अन्यायपूर्ण भी हैं। कल अगर विनेश का वजन ठीक था, तब कल तक की उनकी जीत को तो मान्यता मिलनी चाहिए थी? अगर किसी दिन खिलाड़ी का वजन कुछ बढ़ जाए, तो उसकी पिछली उपलब्धियों को क्या शून्य मान लिया जाए? यह शायद हमेशा कहा जाएगा कि विनेश अगर फाइनल खेलने योग्य नहीं थीं, तो उन्हें कम से कम रजत पदक मिलना चाहिए था। कहना न होगा, भारतीय ओलंपिक के इतिहास में एक स्याह अध्याय जुड़ गया है। भारत को अपना विरोध अवश्य दर्ज कराना चाहिए और विनेश के पदक के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए। क्या भारत के साथ कोई तकनीकी खिलवाड़ किया गया है? वजन बढ़ने के लिए कौन जिम्मेदार है? पूरा सच सामने आना चाहिए। ऐसे लोगों की खेलों की दुनिया में कोई जगह नहीं, जिनकी खिलाड़ियों और देश में निष्ठा नहीं है। विनेश की तकलीफ का अंदाजा लगाया जा सकता है, पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार से विनेश का समर्थन किया है, उससे भी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा। प्रधानमंत्री का यह कहना बहुत मायने रखता है कि 'विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हो! आप भारत का गौरव हो और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हो।' आज विनेश के साथ खड़े होने की जरूरत है। उनकी शंकाओं का समाधान करने की जरूरत है। अगर कोई विनेश की राह में रोड़ा बना है, तो उसकी जरूर पहचान होनी चाहिए। जो देश अपने खिलाड़ियों के साथ खड़ा नहीं हो सकता, उसका किसी भी पदक पर हक नहीं है। हम क्रिकेट जैसे कुछ ही खेलों में खिलाड़ियों के साथ खड़े होते हैं, तो जाहिर है, कुछ ही पदक हमारी झोली में आते हैं। आज ओलंपिक पदक तालिका में हमें अपना स्थान खोजने में परेशानी हो रही है, तो हमें खेलों और खिलाड़ियों के प्रति अपना रवैया सुधारने पर ज्यादा ध्यान देना होगा। बेहद सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना तमाम खिलाड़ियों के लिए एक सबक बने। अगर किसी स्तर पर साजिश या गड़बड़ी हुई है, तो खिलाड़ियों को मिलकर खामियों पर सख्ती से उंगली रखनी चाहिए। आज जो कमी रह गई है, वह दोबारा कभी किसी भारतीय के आड़े न आए, यह प्रबंध स्वयं खिलाड़ियों को आगे बढ़कर करना होगा। दोयम दर्जे की खेल-समझ वाले नेताओं के पीछे खड़े होने के बजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेंगे। पदक बेहतर खेल से मिलेंगे, राजनीति से नहीं। अब खिलाड़ियों की योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी स्टाफ की योग्यता भी गंभीर विषय बने, तो ही हमारी कामयाबी का कारवां आगे बढ़ेगा।

आज का राशीफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

जादुई संसार रचने वाली पुस्तकें सच्ची मित्र होती है

(लेखक- ललित गर्ग)

(राष्ट्रीय पुस्तक प्रेमी दिवस- 9 अगस्त, 2024)

इंसान की ज़िंदगी विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-क़ायदे से गुज़रना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह ज़िंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। पुस्तक का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। आज डिजिटलीकरण के समय भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्न उठ रहा हो लेकिन समाज में पुस्तकें हर दौर में प्रासंगिक बनी रहेगी। पुस्तके मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और पुस्तक-प्रेम के कारण ही प्रतिवर्ष 9 अगस्त को राष्ट्रीय पुस्तक प्रेमी दिवस मनाया जाता है, यह दिन उन लोगों के लिए है जो किताबों और पढ़ाई के बिना नहीं रह सकते।

लोग किताबों से इसलिए प्यार करते हैं क्योंकि उनमें अपार संभावनाएं होती हैं। वे आपको कल्पना की एक नई दुनिया में ले जा सकती हैं। वे आपके जीवन की समस्याओं और बोझ से बचने और भावनाओं के गहन सागर में खो जाने का एक तरीका हैं। पुस्तक न केवल शिक्षा बल्कि जीवन-विकास का कभी न खत्म होने वाला स्रोत हैं। वे अतीत की यादें संजोकर रखती हैं क्योंकि पुस्तकें हमें अतीत से साक्षात्कार कराने का सशक्त माध्यम है। निश्चित ही किताबें जादुई होती हैं। पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं!

रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम बनी है। जिससे नया भारत निर्मित होगा एवं पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लगेगा। पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ होगा। मोदी ने प्रेमचन्द की तीन मशहूर कहानियों ईदगाह, नशा और पूस की रात का जिक्र किया और उन कहानियों में व्यक्त संवेदना की भी चर्चा की। निश्चित ही इससे देश में संवेदनहीनता एवं संवादहीनता की खाई को भरा जा सकेगा।

भारत सरकार द्वारा एक करोड़ का गांधी शांति पुरस्कार सौ साल से सनातन संस्कृति की संवाहक एवं पुस्तकों का सुन्दर संसार निर्मित करने के लिये गीता प्रेस, गोरखपुर को दिया गया था। 1800 पुस्तकों की अब तक 92 करोड़ से अधिक प्रतियां प्रकाशित करने वाले गीता प्रेस को इस पुरस्कार के लिये चुना जाना एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा उपक्रम होने के साथ पुस्तक-प्रेम को बल देने का सराहनीय प्रयास है। क्योंकि गीता प्रेस की पुस्तकें भारतीय सनातनी घरों के जीवन का हिस्सा है। वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर ज़रिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है।

पुस्तकों का आविष्कार उन भारी पत्थरों की जगह लेने के लिए किया गया था जहाँ मूल रूप से पाठ और चित्र उकेरे जाते थे, क्योंकि कई लोगों को उन्हें ले जाने में कठिनाई होती थी। पहली किताबें चर्मपत्र या बछड़े की खाल से बनी होती थीं और उनका कवर लकड़ी से बना होता था जिसे चमड़े में लपेटा जाता था। पहले के दिनों में किताबें बड़ी होती थीं और महंगे चमड़े से बंधी होती थीं। इसलिए, केवल अमीर लोग ही उन्हें खरीद सकते थे। उन्नीसवीं सदी के पहले भाग में औद्योगिक क्रांति के साथ और प्रिंटिंग प्रेस, पल्प पेपर मिलों और मैकेनिकल टाइपसेटिंग की व्यापक उपलब्धता के साथ, सस्ती पेपरबैक किताबें प्रकाशित और वितरित की जाने लगीं। इस प्रकार, यह न केवल आम लोगों के लिए सस्ती थी, बल्कि इसे ले जाना भी आसान था। पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता।

पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम पुस्तकें ही करवाती हैं। शायद ये पुस्तकें ही हैं जिन्हें पढ़कर स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, आचार्य तुलसी एवं नरेन्द्र मोदी दुनिया की एक महाशक्ति बने हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही है, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाया या बनाना चाहते हैं, इसीलिये उन्होंने देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आह्वान किया है, जिससे न सिर्फ लोग साक्षर होंगे, बल्कि सामाजिक व आर्थिक बदलाव भी आएगा।

पुस्तकों से ही आदर्श समाज की संरचना हो सकती है। लोकमान्य गंगाधर तिलक ने कहा था कि यदि कोई मुझे सम्राट बनने के लिये कहे और साथ ही यह शर्त रखे कि तुम पुस्तकें नहीं पढ़ सकोगे तो मैं राज्य को तिलांजलि दे दूंगा और गरीब रहकर ही साहित्य पढूंगा।' यह पुस्तकीय सत्य नहीं, अनुभूति का सत्य है। अतः साहित्य के महत्व को वही आंक सकता है, जो उसका पारायण करता है। अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहिम लिंकन कहते थे, ''मेरा सबसे अच्छा मित्र वह है जो मुझे ऐसी किताब दे, जो मैंने पढ़ी न हो।'' भले ही आज के इंटरनैट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनैट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है क्योंकि पुस्तकें बचपन से लेकर बुढ़ापे तक हमारे सच्चे दोस्त का हर फर्ज अदा करती आई हैं। उन्नत एवं सफल जीवन के लिये पुस्तकों के पठन-पाठन की संस्कृति को जीवंत करना वर्तमान समय की बड़ी जरूरत है। क्योंकि पुस्तकों में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है।

अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ समाज की संरचना करती है। पुस्तकें समाज एवं राष्ट्र रूपी शरीर की मस्तिष्क होती है, जिनसे हमारी रूचि जागे, आध्यात्मिक एवं मानसिक तृप्ति मिले, हममें शक्ति एवं गति पैदा हो, हमारा सौन्दर्यप्रेम एवं स्वाधीनता का भाव जागृत हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश उपलब्ध हो, जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाइयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता उत्पन्न करें।

जंगल अगर दिल है तो धड़कन है आदिवासी

(लेखिका- निमिषा सिंह/)

(9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर)

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस। आदिवासियों के मूलभूत अधिकारों की सामाजिक आर्थिक और न्यायिक सुरक्षा के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे विश्व में यह दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। आदिवासियों के हित, उनके अधिकारों की रक्षा,जल जंगल और जमीन पर उनके एकाधिकार की बातें होंगी। मंच सजेगा ,संगोष्ठियां और चर्चाओं का दौर चलेगा पर क्या आदिवासी जिसकी अस्मिता और अस्तित्व जंगल से परिभाषित होती है उसके जीवन में सामाजिक और आर्थिक रूप से भविष्य में कोई परिवर्तन आएगा।? यह प्रश्न अपनी जगह अटल है।

विश्व के लगभग 193 देशों में आदिवासी निवासरत है लेकिन फिर भी आज तक उनके मूलभूत समस्याओं का भी निराकरण नहीं हो पाया है। अगर हम भारत की परिदृश्य पर नजर डालें तो यह बात निकलकर सामने आती है कि आदिवासी क्षेत्रों के लोग मानसिक आर्थिक राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि से छले जा रहे हैं। परिणाम यह हुआ कि विकासशील भारत में आदिवासी समाज 50 वर्ष पीछे चला गया। झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में आदिवासियों की बदहाल छवि विकासशील भारत के के अंदर एक अविकसित भारत को प्रस्तुत करती है। अगर मैं बात करूं झारखंड के विकास के जमीनी हकीकत की जिस की राजनीति की धुरी ही आदिवासियों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है, आज देश के सभी नवनिर्मित राज्यों में सबसे पीछे है। बिहार से बंटकर झारखंड मध्यप्रदेश से बंटकर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से बंटकर उतरांचल बना। स्वभाविक है आदिवासियों के लिए बना झारखंड पृथक राज्य के साथ ही संभावनाओं और आशंकाओं के दो ध्रुव भी बन गए। संभावना थी कि जनजातीय बहुल राज्यों के आने के बाद वहां की आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन मजबूत होगी। आर्थिक उन्नति होगी और बिरसा के सपने झारखंड के घर घर में हकीकत बनकर उतरेंगे। माइंस और खनिज से भरपूर इस इलाके को जब प्रकृति ने ही इतनी नेमत दे रखी है तो वहां के लोगों की विकास की भला क्या चिंता। पर वास्तविकता कुछ और निकली। मौजूदा हालात यह है कि वहां के लोगों की उम्मीदें अब टूट कर बिखर रही है।

स्वतंत्रता के बाद से कई सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों द्वारा आदिवासी समुदायों की आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें विकसित करने के प्रयास किये गए। सात दशक बीत गए पर आज भी आदिवासी लोग भारतीय समाज के सबसे कुपोषित भाग बने हुए हैं। आदिवासी क्षेत्रों में उपलब्ध खनिज संसाधनों संसाधन सरकारी खजाने की आय के स्रोत है बाबजूद इसके यह क्षेत्र सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़ते जा रहे है। ऐसा क्यों?

आजादी के बाद से विकास के नाम पर विभिन्न परियोजनाओं के तहत आदिवासियों का विस्थापन होता रहा। समस्या तब और गंभीर हो गई जब संसाधनों की लूट आदिवासियों का विस्थापन और उनके जीवन की बर्बादी मौजूदा विकास मॉडल के साथ आई। आदिवासियों के जंगल जमीनों ,गांवों और संसाधनों पर कब्जा कर उन्हें दर-दर भटकने को मजबूर करने के पीछे मुख्य कारण पूंजीवादियों के साथ सांठ गांठ करने वाली हमारी सरकारी व्यवस्था रही। आदिवासी केवल अपने जंगलों या गांव से ही बेदखल नहीं हो रहे हैं बल्कि मूल्यो नैतिक अवधारणाओं जीवन शैली भाषाओं एवं संस्कृतियों से भी बेदखल कर दिए जा रहे हैं। इस बात की गंभीरता को ऐसे समझा जा सकता है कि देश की आबादी में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 8.6त्न है लेकिन विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों की कुल संख्या में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 40 प्रतिशत है। जाहिर है जनजातीय लोगों को जो भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची से आच्छादित हैं भूमि अधिग्रहण विस्थापन और अपर्याप्त मुआवजे का सबसे अधिक खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ा है। आजादी के बाद देश में जो वन अधिनियम बने औपनिवेशिक परम्परा में बने पर एकमात्र वन अधिकार कानून 2006 एक ऐसा कानून बना जिसकी बदौलत पहली बार औपनिवेशिक काल से सरकार द्वारा वनआश्रित समुदायों के अधिकारों को छीनने की चली आ रही परम्परा को उलट कर उनके पारम्परिक अधिकारों को उनके मूल रूप मे प्रतिस्थापित करने का प्रावधान किया गया। विडम्बना यह है कि आदिवासी हित की बात और जल जंगल जमीन के बोल के साथ झारखंड में सत्ता हस्तांतरण का दौर चलता रहा। दुर्भाग्य रहा कि आदिवासियों ने अपने जिन प्रतिनिधियों को जिताकर संसद में बिठाया उन्ही लोगों द्वारा आदिवासी समाज को ही हराने की कोशिश जारी रही। झारखंड आज लुटाने पिटाने का अड्डा बन चुका है। गौर करने वाली बात यह भी है कि आज के वैश्वीकरण के दौर में वन भूमि पर कारपोरेटों की नजर भी गड़ी हुई है। स्थानीय निवासियों के परम्परागत अधिकारों को कानूनी मान्यता मिलने से इनके वन भूमि हस्तान्तरण में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है। इसलिये कई प्रभावशाली वर्गों द्वारा वन अधिकार कानून 2006 को निष्क्रिय या प्रभावहीन करने के योजनाबद्ध प्रयास हो रहे हैं। नौकरशाही की मिली भगत से आदिवासियों को बलपूर्वक या डरा धमकाकर अपनी जमीन से खदेड़ा जा रहा हैं द्य इतिहास गवाह है कि आदिवासियों की जिंदगी उनकी संस्कृति उनके सामाजिक जीवन का ताना-बाना जंगलों के साथ इतनी गहराई से जुड़ा होता है कि वह आजीविका के साथ-साथ कभी-कभी आजीविका से ऊपर उठकर भी जंगलों को बचाने और उनके संरक्षण के लिए आवाज बुलंद करते रहे है। यहां तक कि हुकूमत की जड़े हिलाकर रख दी गई। मौजूदा समय में प्रतिरोध के माध्यम बहुत कठिन व सीमित हो गए हैं। वनों की गुणवत्ता का संरक्षण केवल वनवासियों के लिये ही नहीं बल्कि पर्यावरण की व्यापक आवश्यकता है।

ऐसे समय में जब समस्त विश्व जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित है। जंगलों को बचाने और नए जंगल लगाने पर विचार और काम किया जा रहा है। ऐसे में जन अधिकार के प्रति गम्भीर व चिन्तित रहने वाले व्यक्तियों के लिये यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे वनाधिकार कानून के जनविरोधी प्रावधानों के प्रति जागरुकता फैलाएँ।

विचार मंथन

विनेश फोगाट का कुश्ती से संन्यास, कुश्ती में जीत, राजनीति के दांव पेंच में हार

(लेखक- सनत जैन)

भारत की दिग्गज मुक्केबाज और ओलंपिक मेडल विजेता विजेंद्र सिंह ने कहा है, कि भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट कुश्ती के दांव-पेंच जानती हैं। राजनीति और साजिश के दांव-पेंच वह नहीं जानती हैं। जिसके कारण ओलंपिक में जीत कर भी विनेश फोगाट हार गईं हैं। 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण उसे फाइनल में खेलने से रोक दिया गया। विनेश फोगाट को ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया। जबकि कुश्ती के 3 मैच लगातार जीतकर उसने फाइनल में जगह बनाई थी। जिस तरह से उसने तीनों मैच खेले थे। उसके बाद भारत में खुशी और हर्ष की लहर दौड़ गई थी। विनेश फोगाट स्वर्ण पदक लेकर भारत वापस लौटेगी। इसको लेकर देशभर में उत्सव शुरू हो गया था। यही खुशी और उत्सव विनेश फोगाट पर भारी पड़ गई। विनेश फोगाट ने जिस तरह से कुश्ती संघ के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह से यौन शोषण के मामले मे उन्होंने लड़ाई लड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ने के बाद भी जब सफलता नहीं मिली तो जंतर-मंतर में प्रदर्शन भी किया। सरकार से उसको कोई मदद नहीं मिली। पास्को का अपराध दर्ज होने के बाद भी बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी नहीं हुई। नई लोकसभा का जिस दिन उद्घाटन हो रहा था। उस दिन उसे एवं अन्य पहलवानों को दिल्ली की सड़कों पर घसीटा गया। उसके बाद भी उसने लड़ना नहीं छोड़ा। कुश्ती संघ ने पूरी कोशिश की थी, विनेश फोगाट ओलंपिक खेलने नहीं जा पाएं। इसके बाद भी लड़ाकू विनेश फोगाट डटी रही। कुश्ती संघ और सरकार से लड़ती रही। 4 महीने पहले ही उसने कुश्ती संघ द्वारा जिस तरीके की साजिश उसके खिलाफ की जा रही थी, उसको लेकर ट्वीट किया था। मजबूरी के कारण खेल मंत्रालय और कुश्ती संघ को उसको पेरिस ओलंपिक भेजना पड़ा। जिस तरह से उसने तीन मैच जीते। उसको लेकर शायद कुश्ती संघ और सरकार असहज हो गई। फाइनल के पहले विनेश फोगाट को जिस तरह से ओलंपिक में अयोग्य घोषित किया गया है। अब उसके जांच की मांग की जा रही है। विनेश फोगाट के साथ कोच और सपोर्ट स्टाफ भी शामिल था। जब सभी को मालूम था, विनेश फोगाट को फाइनल खेलना है। उसके बाद भी जिस तरीके की लापरवाही की गई। उस लापरवाही को साजिश के रूप में देखा जा रहा है। दिनेश फोगाट का वजन तीन मैच खेलने के बाद 2 किलो करीब बढ़ गया था। उसके खाने-पीने और डाइट पर उसने नियंत्रण रखा था। पूरी रात वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज करती रही। जब सुबह उसका वजन लिया गया, तो 100 ग्राम ज्यादा था। वजन कम करने के लिए उसे निर्धारित समय नहीं दिया गया। विनेश फोगाट को केवल 15 मिनट का समय दिया गया था। जबकि ओलंपिक में 30 मिनट का समय तय है। भारत से जो अधिकारी पेरिस ओलंपिक में गए थे। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी का पक्ष सही तरीके से ओलंपिक में नहीं रखा। जिसके कारण विनेश फोगाट को फाइनल नहीं खेलने दिया गया। उलटे उसे ओलंपिक से बाहर कर दिया। भारतीय खेल संघ के अधिकारी चुपचाप यह सारा तमाशा करते और देखते रहे। ओलंपिक में अयोग्ग हो जाने के कारण उसे जो मैच वह जीत चुकी थी। उसका पुरस्कार भी उसे नहीं मिलेगा। यदि वह फाइनल नहीं खेलती तो भी उसको नियमों के अनुसार रजत पदक तो मिलता ही। कुश्ती संघ के जो पदाधिकारी वहां गए थे। भारत की ओर से ओलंपिक के लिए जो अधिकारी पेरिस भेजे गए थे। उन सभी ने पूरी तरह से लापरवाही करते हुए विनेश फोगाट को रजत पदक और स्वर्ण पदक से दूर करने मे महत्ती भूमिका का निर्वाह किया है। यह आरोप उन पर लग रहे हैं। संसद में खेल मंत्री ने जिस तरह का जवाब दिया है, उसका भी विरोध देश भर में हो रहा है। विनेश फोगाट के ऊपर खर्च की गईं राशि का ब्योरा उन्होंने दिया। सदन में खिलाड़ी को मदद पहुंचाने के लिए उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, खेल मंत्री के निराशाजनक जवाब की तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में हो रही है। विनेश फोगाट को ओलंपिक में जरूर कोई पदक नहीं मिल पाया। जब वह भारत लौटेंगी, तो युवाओं और खिलाड़ियों के लिए एक प्रतीक और विद्रोह के रूप में वह सामने आएंगी। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष पर यौन शोषण के आरोप लगाने के बाद जिस तरह से खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया गया है। सरकार ने सांसद बृजभूषण शरण सिंह का बचाव किया है। सरकार की मदद से कुश्ती संघ के चुनाव में बृजभूषण के चहेते को अध्यक्ष बनाया गया। ओलंपिक की तैयारी के पहले जिस तरह से आंदोलनकारी खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया गया। उससे देश में अब गुस्सा देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में विनेश फोगाट को चैंपियनों का चैंपियन बता दिया। भारत का गौरव और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्पद बताया।

संक्षिप्त समाचार

पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड का बोर्ड फंड जुटाने पर करेगा विचार

इंदौर, एजेंसी। भारत के तार और केबल उद्योग में अग्रणी कंपनी, पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड की स्थापना 1955 में हुई थी। कंपनी ने घोषणा की है कि उसका बोर्ड 8 अगस्त, 2024 को फंड जुटाने के प्रस्ताव और वित्त 2025 की पहली तिमाही के लिए अन-ऑडिटेड वित्तीय परिणामों पर विचार करेगा। कंपनी ने आगे बताया कि वह पैसे जुटाने का प्रस्ताव रख रही है। यह पैसे शेयर जारी करके, या अन्य तरीकों जैसे जीडीआर, एडीआर, एफसीसीबी, या शेयरों में बदलने वाले दूसरे तरीकों से जुटाए जाएंगे। इनमें वारंट, पूरी तरह से कन्वर्टिबल डिबेंचर, आंशिक रूप से कन्वर्टिबल डिबेंचर, बिना वारंट वाले या वारंट वाले नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर, या कन्वर्टेबल प्रेफरेंस शेयर शामिल हो सकते हैं। पैसे सार्वजनिक रूप से शेयर जारी करके, चुनिंदा लोगों को शेयर देकर, निजी तौर पर शेयर बेचकर, या अन्य किसी अनुमत तरीके से जुटाए जा सकते हैं। यह सब सरकार की मंजूरी और कंपनी के शेयर धारकों की सहमति के बाद ही होगा। कंपनी ने पिछले 31 मार्च 2024 तक बहुत अच्छा काम किया है। कंपनी को आने वाले समय में 4951 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऑर्डर मिले हैं। खासकर बिजली और रेलवे के लिए बनाए जाने वाले तारों की मांग बहुत बढ़ी है। कंपनी ने विदेशों में भी अच्छे उत्पाद बेचे हैं। कंपनी ने अपने उत्पादन को बढ़ाकर लागत कम की है और ज्यादा मुनाफा कमाया है। कंपनी की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत है। कंपनी का कर्ज भी कम हो गया है और जल्द ही कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त हो जाएगी। पिछले साल कंपनी ने भारत में ही 7944 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया है, जो पिछले साल के मुकाबले 100.5त्न ज्यादा है। कंपनी का 74.2त्न कारोबार भारत में ही होता है और बाकी 25.8त्न कारोबार विदेशों में होता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल नामक एक नई डिजिटल कम्युनिटी लॉन्च की

गुरुग्राम। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, दुनिया भर में ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स के स्मार्टफोन पार्टनर, ने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के प्रशंसकों सहित अनेक लोगों के लिए टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल नामक एक नई डिजिटल कम्युनिटी लॉन्च करने और उसे बढ़ावा देने के लिए 31 जुलाई को पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ मिलकर एक कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम पेरिस 2024 को समर्पित पेरिस के बहुउद्देश्यीय प्रदर्शनी स्थल स्पाट 24 में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आईओसी के प्रेसिडेंट थॉमस बाक, आईओसी के टेलीविजन और मार्केटिंग सेवाओं के एमडी ऐनी-सोफी वोमार्ड, पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के प्रेसिडेंट एंड्र्यू पार्सन्स, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रेसिडेंट और ग्लोबल मार्केटिंग ऑफिस के हेड वायएच ली, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यूरोप ऑफिस के प्रेसिडेंट इल-क्यूंग सुंग और पूर्व स्वर्ण पदक विजेता फ्रांसीसी हैंडबॉल खिलाड़ी और निपुण विजुअल ऑर्टिस्ट और पेरिस 2024 के लिए ओलंपिक संग्रहालय के नेतृत्व में ओलंपियन कलाकार कार्यक्रम के प्रतिभागी ल्यूक अबालो ने भाग लिया।कोरियाई टीम के पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी, येओन कोंग किम, टीम जीबी स्केटबोर्डर एंडी मैकडोनाल्ड, ऑस्ट्रेलियाई पैरा-एथलीट मैडिसन डी रोजारियो और यूके कंटेंट क्रिएटर और रैपिंग साइंस टीचर, मैट ग्रीन ग्लोबल एम्बेस्डर के रूप में इस प्रोजेक्ट में भाग लेने जा रहे हैं। ये सोशल मीडिया के जरिए टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल के लिए सक्रिय रूप से कंटेंट साझा करेंगे।टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल प्रोजेक्ट सैमसंग और आईओसी द्वारा दुनिया भर के ओलंपिक और पैरालंपिक प्रशंसकों को ओलंपिक आंदोलन में भाग लेने और उससे जुड़ने में मदद करने के लिए विकसित किया गया है।

बांग्लादेश में तख्तापलट का असर: पूर्वांचल के 50 करोड़ के कृषि यंत्रों का ऑर्डर फंसा

वाराणसी एजेंसी। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद उपद्रव से काशी समेत पूर्वांचल भी प्रभावित है। उद्यमियों का 50 करोड़ के कृषि यंत्रों का आर्डर फंस गया है। अब उद्यमियों को माल फंसने का भय भी सताने लगा है। ऐसे में कृषि यंत्र निर्माता परेशान हैं।

चांदपुर औद्योगिक आस्थान स्थित कृषि यंत्र निर्माताओं के अनुसार पिछले एक-डेढ़ दशक से कृषि यंत्र बांग्लादेश भेजे जाते हैं। ट्रक और जलपोत के रास्ते यह माल कोलकाता से बांग्लादेश जाता है। इसमें कृषि यंत्रों में हैंडपंप, चारा मशीन, ट्रैक्टर ट्रॉली, थ्रेसर, हालर, ओसावनी पंखा, चक्की समेत 10 प्रकार के यंत्र शामिल हैं। एग्रीकल्चर मशीनरी मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रदेश कोषाध्यक्ष नीरज पारिक ने बताया कि वाराणसी समेत पूर्वांचल से बांग्लादेश के बीच हर महीने 45-50 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। बांग्लादेश के व्यापारियों के आर्डर पर माल भेजा जाता है। यह माल कोलकाता के बाद आगे बढ़ता है।

बांग्लादेश में जो माहौल दिख रहा है, उससे यह तय है कि इस माह का लगभग 50 करोड़ रुपये का आर्डर फंस गया है। चांदपुर के 10 कृषि निर्माताओं को आर्डर मिला है, माल तैयार भी है, लेकिन भेजे जाने पर संशय है। काशी लघु उद्योग भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि नेपाल के बाद बांग्लादेश में वाराणसी के कृषि यंत्रों की अच्छी मांग रहती है। जीएसटी आने के पहले ट्रक से ही कृषि यंत्रों का माल बांग्लादेश पहुंच जाता था। तख्तापलट के बाद कारोबारियों के माल और पूंजी फंस गई है। चंदौली, मऊ, गाजीपुर से भी कृषि यंत्रों को भेजा जाता है।

बनारसी वस्त्र उद्योग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजन बहल ने बताया कि लोहता में जाली वर्क वाली साड़ी की

मांग बांग्लादेश में खूब होती है। हर माह लगभग छह से सात करोड़ रुपये की साड़ी सिर्फ लोहता इलाके से भेजी जाती है। 600 से 700 रुपये वाली चीफ एंड फाइन साड़ी की खपत बांग्लादेश में ज्यादा होती है। अब वहां के हालात से माल फंस गया है।

बांग्लोदश में उपजे हालातों के बीच भारतीय कालीन निर्यातकों की चिंता भी बढ़ गई है। दरअसल, बांग्लादेश में ही कालीन निर्माण में प्रयुक्त होने वाले ऊनों के सर्टिफिकेशन देने वाली कंपनी कंट्रोल यूनियन आरडब्ल्यूएस का हेड ऑफिस हैं। ये कालीन में प्रयुक्त होने वाली ऊन की गुणवत्ता का सर्टिफिकेशन देता हैं। निर्यातकों की चिंता है कि अगर बांग्लादेश में लंबे समय तक संघर्ष चला तो सर्टिफिकेशन में दिक्कत आ सकती है। हस्तनिर्मित मखमली कालीनों के लिए भदोही की पहचान पूरी दुनिया में होती है। जिले के बड़े-बड़े निर्यातक विदेशों में होने वाले कालीन मेलों में भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ बड़ी मात्रा में कालीनों का निर्यातक करते हैं। भदोही की कालीनें अपनी गुणवत्ता और अपनी विशिष्ट पहचान के कारण पूरे दुनिया में विख्यात है। इन कालीनों को और खास बनाती हैं। उनको मिलने वाला सर्टिफिकेशन।

यह सर्टिफिकेशन इस तरह के सर्टिफिकेशन होते हैं, जो विश्व बाजार में भारतीय कालीनों को स्थापित करने का कार्य करते हैं। इन सर्टिफिकेशन को मिलने के बाद ही कालीन विश्व बाजार में भेजे जाते हैं।

भारतीय कालीनों में इस्तेमाल होने वाले ऊनों को सर्टिफिकेशन देने वाली संस्था कंट्रोल यूनियन आरएसडब्ल्यू का हेड ऑफिस बांग्लादेश में है। बांग्लादेश में छिड़ी हिंसा के बाद जिस तरह के हालत उपजे हैं। उसने कालीन निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। निर्यातकों की चिंता है कि अगर बांग्लादेश में लंबे समय तक अनिश्चितता और हिंसा छिड़ी रही तो सर्टिफिकेशन में परेशानी हो सकती है। इससे निर्यात होने वाले माल डंप हो सकते हैं और आर्डर भी प्रभावित हो सकते हैं।

सर्टिफिकेशन के बाद ही भेजी जाती है कालीनें

भारतीय कालीनों में इस्तेमाल होने वाले ऊन को कंट्रोल यूनियन ही सर्टिफाई करती है। ऊन की गुणवत्ता के आधार पर कंपनी सर्टिफिकेट देती है। जिसको कालीन पर चिपका कर उसे वायर के पास भेजा जाता है। अगर कंपनी ने सर्टिफाई नहीं किया तो तैयार कालीनों को वायरों के पास नहीं भेजा जा सकेगा।

दो दिन में 44 प्रतिशत चढ़ गया एस पी अपैरल्स लि का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गारमेंट्स एंड अपैरल्स इंडस्ट्री की कंपनी एस पी अपैरल्स लिमिटेड के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। एस पी अपैरल्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में करीब 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 1133 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने बुधवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट गहराने के बाद कंपनी के शेयरों में पिछले 2 दिन में जबरदस्त तेजी आई है। एस पी अपैरल्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 429.40 रुपये है।

दो दिन में एस पी अपैरल्स लिमिटेड के शेयरों में 44 पर्सेंट का उछाल आया है। गारमेंट्स एंड अपैरल्स कंपनी के शेयर दो दिन में 790 रुपये से बढ़कर

1133 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, 4 जून 2024 के लेवल से एस पी अपैरल्स लिमिटेड के शेयरों में 114 पर्सेंट की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 4 जून को 530 रुपये पर थे, जो कि 7 अगस्त 2024 को 1133 रुपये पर पहुंच गए हैं। एस पी अपैरल्स लिमिटेड के शेयरों में इस साल अब तक 85 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कंपनी के शेयर इस साल 1 जनवरी को 605.80 रुपये पर थे, जो कि 7 अगस्त 2024 को 1133 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक साल में एस पी अपैरल्स लिमिटेड के शेयरों में 130 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 7 अगस्त 2023 को 452.15 रुपये पर थे, जो कि 8 अगस्त 2024 को 1133 रुपये पर पहुंच गए हैं। अगर बांग्लादेश की बात करें तो टेक्सटाइल सेक्टर वहां एक्सपोर्ट इनकम का प्रमुख स्रोत है। बांग्लादेश का मंथली अपैरल एक्सपोर्ट करीब 3.5-3.8 बिलियन डॉलर है। यूरोपियन यूनियन और युनाइटेड किंगडम में बांग्लादेश का हाई डबल-डिजिट एक्सपोर्ट मार्केट शेयर है। वहीं, अमेरिकी मार्केट में बांग्लादेश की बाजार हिस्सेदारी 10 पर्सेंट है। एस पी अपैरल्स लिमिटेड, एडल्ट कैटेगरी के साथ इन्फैंट एंड चिल्ड्रेन वियर निटेड गारमेंट इंडस्ट्री की प्रमुख कंपनियों में से है।

जलवायु परिवर्तन से अनियमित एवं निरंतर बन रहा मानसून

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीई-ग्लोबल और एसरी इंडिया द्वारा आज जारी अपनी तरह के पहले अध्ययन के मुताबिक, भारत के 84 प्रतिशत से अधिक जिलों में अत्यधिक लू चलने की आशंका है जिसमें से 70 प्रतिशत जिलों में बार बार और अत्यधिक बारिश होने की घटना दर्ज की गई है। अत्यधिक गर्मी और बारिश की घटनाओं की पुनरावृत्ति, तीव्रता और अनिश्चितता हाल के दशकों में बढ़ी है। जहां भारत में पिछले तीन दशकों में मार्च-अप्रैल-मई और जून-जुलाई-अगस्त-सितंबर के महीनों में अत्यधिक गर्म हवाओं में 15 गुनी वृद्धि दर्ज की गई है, अकेले पिछले दशक में तेज लू के दिनों में 19 गुना वृद्धि दर्ज की गई। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि भारत में मानसून के सीजन में गैर बारिश के दिनों को छोड़कर बढ़ी हुई गर्मी की स्थितियां देखी गई हैं। इस अध्ययन को आज आईपीई ग्लोबल, एसरी इंडिया और इसकी साझीदार यूनेस्को एवं क्लाइमेट ट्रेंड्स द्वारा भारत किस तरह से जलवायु की तीव्रता से निपट सकता हैशीर्षक से आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेश किया गया। दुनिया, जलवायु सप्ताह, एनवाईसी, अमेरिका के लिए कमर कस रही है जहां उद्योगपतियों, राजनेताओं के जलवायु कार्य प्रतिबद्धता पर चर्चा करने की संभावना है। आईपीई ग्लोबल में जलवायु परिवर्तन एवं टिकाऊ व्यवस्था के प्रमुख और इस अध्ययन के लेखक अबिनाश मोहंती ने कहा,प्रलयंकारी अत्यधिक गर्मी और बारिश के मौजूदा रुख का परिणाम है कि पिछली शताब्दी में तामपान 0.6 डिग्री सेल्सियत बढ़ गया है।

अमृतांजन हेल्थकेयर को लगातार दूसरे साल मिला सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांड का सम्मान

ईटी नाउ बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड अवार्ड्स में 1000 से अधिक ब्रांडों में से चुना गया

मुंबई , एजेंसी। भारत में स्वास्थ्य सेवा उद्योग में 131 वर्षों से अधिक समय से अग्रसर, उद्देश्य-संचालित, नवोन्मेषी उत्पाद कंपनी अमृतांजन हेल्थकेयर को सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांड पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अमृतांजन हेल्थकेयर को 7वें ईटी नाउ बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड्स समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया है। पूरे भारत में 1000 से अधिक हेल्थकेयर ब्रांडों की विस्तृत जांच करके एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से यह चुनाव किया गया है। बहुत कम ब्रांड चयन प्रक्रिया के मानदंडों को पूरा कर पाए थे, जिससे अमृतांजन हेल्थकेयर को मिला यह सम्मान और भी अधिक महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित हो गया है।

अमृतांजन हेल्थकेयर के पोर्टफोलियो में स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कई अलग-अलग उत्पाद शामिल हैं। विज्ञान और आयुर्वेद का एक अनूठा मिश्रण लाते हुए, ब्रांड ने प्रभावी उत्पाद पेश किए हैं जो क्लिनिकल (नैदानिक) परीक्षणों में सफल साबित हुए हैं और राहत प्रदान करते हैं। नवाचार अमृतांजन की सफलता का प्रमुख स्तंभ है। रोल-ऑन पेन रिलीफ, पहला हाइड्रोजेल पैन पैच जैसे, उपयोग में आसान और सुविधाजनक फॉर्मेट पेश करके, अमृतांजन ने सभी उपभोक्ताओं के लिए दर्द पर इलाज को आसान बना दिया है। ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, अमृतांजन उन्हें पूरा करने के लिए डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी को अपनाकर तेज़ी से विकास कर रहा है। डिजिटल परिवर्तन के लिए, ब्रांड ई-कॉमर्स, डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर प्लेटफॉर्म में महत्वपूर्ण निवेश कर रहा है, सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है, अमृतांजन कॉम्फी पीरियड ट्रैकर जैसे ऐप लॉन्च करके उपभोक्ताओं के साथ अपने संबंधों को और मज़बूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

ईटी नाउ बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड अवार्ड दुनिया भर में उपभोक्ताओं की विविध स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अमृतांजन हेल्थकेयर की उत्कृष्टता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विश्वसनीय उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करते हुए, अमृतांजन ने सर्वोत्तम देखभाल और निरंतर नवाचार प्रदान करने पर ज़ोर दिया है।

अमृतांजन हेल्थकेयर लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री एस शंभू प्रसाद ने कहा, ईटी नाउ बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड्स अवार्ड्स में सम्मानित होना हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। उत्कृष्टता और अद्वितीय स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने के लिए हमारे समर्पित प्रयास और ग्राहकों के जीवन में सुधार ला सकें ऐसे अतुलनीय स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद लाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को इस पुरस्कार ने रेखांकित किया है। हम अपनी कुशल टीम, ग्राहकों और सहयोगियों के आभारी हैं जिन्होंने हमारी सफलता में योगदान दिया है। हम नवाचार करना जारी रखेंगे और हर घर में भरोसे का नाम यह हमारी पहचान कायम रखेंगे। अमृतांजन हेल्थकेयर लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री मणि भगवतीश्वरन ने कहा, इस पुरस्कार ने नवाचार और ग्राहक केंद्रितता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता रेखांकित की है।

तार बनाने वाली कंपनी के शेयरों में अचानक आई 12 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। 100 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक पैरामाउंट कम्युनिकेशन्स के शेयरों की कीमतों में आज करीब 12 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बीएसई में एक वक्त पर कंपनी के शेयरों का भाव 81.54 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। बता दें, इस कंपनी के पास 450 करोड़ रुपये से अधिक का काम है।

मंगलवार की क्लोजिंग की तुलना में बुधवार को कंपनी के शेयर 77 रुपये पर खुले। इस स्टॉक का इंट्रा-डे हाई 11.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 81.54 रुपये है। हालांकि, इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद कंपनी के शेयरों में नरमी भी देखने को मिली है। बता दें, पैरामाउंट कम्युनिकेशन्स का 52 वीक हाई 116.70 रुपये और 52 वीक लो लेवल 47 रुपये प्रति शेयर है।

पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी की सेल्स में सालाना आधार पर 56.30 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला था। जनवरी से मार्च 2024 के दौरान कंपनी का प्रॉफिट 113.70 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 29.49 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। पैरमाउंट कम्युनिकेशन्स लिमिटेड केबल्स और वायर्स का प्रोडक्शन करती है। इसमें पावर केबल्स, टेलीकॉम केबल्स, रेलवे केबल्स और स्पेसलाइज्ड केबल्स शामिल है। पैरामाउंट केबल्स के क्लाइंट में स्ट्ठ्ठरु भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, बीएसएनएल, टाटा स्टील, इंडियन रेलवे आदि है।

कंपनी के पास 495 करोड़ रुपये का काम है। हालांकि, कंपनी के ऊपर 86.25 करोड़ रुपये का लोन है। कंपनी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में वो इसका भुगतान कर देगी। बता दें, बीएसई में कंपनी के शेयर 116.70 रुपये और 52 वीक लो लेवल 47 रुपये प्रति शेयर है।

केंद्र ने सीएस शेट्टी को नियुक्त किया एसबीआई का नए अध्यक्ष, राणा आशुतोष कुमार बैंक के नए एमडी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सी.एस. शेट्टी को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। शेट्टी अभी बैंक के प्रबंधन निदेशक (एमडी) के पद पर हैं। उनका कार्यकाल 28 अगस्त या उसके बाद से तीन साल की अवधि के लिए होगा। वह मौजूदा एसबीआई अध्यक्ष दिनेश कुमार खारा की जगह लेंगे। एक सरकारी आदेश में कहा गया, ÷मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने सीएस शेट्टी को पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन साल की अवधि के लिए एसबीआई अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के लिए वित्त सेवा विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।÷ खारा 28 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, तब वह 63 वर्ष के हो जाएंगे। वहीं, सरकार ने राणा आशुतोष कुमार सिंह को एसबीआई का नया प्रबंधन निदेशक नियुक्त किया है। एसबीआई में एक अध्यक्ष होता है, जिसकी मदद के लिए चार एमडी होते हैं। एक अन्य आदेश में कहा गया कि सिंह 30 जून, 2027 को एमडी के रूप में काम करेंगे। शेट्टी भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न टास्क फोर्स और समितियों के भी प्रमुख रहे हैं। वह बैंक के खुदरा और डिजिटल बैंकिंग पोर्टफोलियों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

अमेजन डाट इन ने ग्रेट फ्रीडम फेस्टिवल की घोषणा की

बैंगलुरू, एजेंसी। अमेजन डाट इन के बहु-प्रतीक्षित ग्रेट फ्रीडम फेस्टिवल 6-11 अगस्त 2024 के दौरान आज़ादी का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाएं। इस साल उपभोक्ता कलाकारों एवं बुनकरों, महिला उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स, ब्राण्ड्स एवं स्थानीय स्टोर्स सहित विभिन्न विक्रेताओं की ओर विभिन्न कैटेगरीज़ जैसे स्मार्टफोन, कन्ज़्यूमर इलेक्ट्रोनिक्स, ग्रॉसरी, फैशन, ब्यूटी असेन्शियल्स, होम एण्ड किचन, बड़े अप्लायन्सेज़, टेलीविज़न आदि में लाखों प्रोडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। उपभोक्ता जाने-माने ब्राण्ड्स जैसे पोको, सैमसंग, वनप्लस, बोट, सोनी, एलजी, फायर टीवी स्ट्रिक, प्लेस्टेशन, हैवल्स, विप्रो, लिवाइस, लैक्मे, कैडबरी, कोलगेट, आदि पर बेहतरीन ऑफर्स का फायदा पा सकते हैं।

आईआईटी मद्रास को मिला भारत में अब तक का सबसे बड़ा डोनेशन

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के एक विशिष्ट पूर्व छात्र डॉ. कृष्ण चिवुकुला (एमटेक, 1970) ने संस्थान के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक 228 करोड़ रुपये का सिंगल डोनेशन दिया है। यह भारत में किसी शिक्षा संस्थान को दिया गया अब तक का सबसे बड़ा डोनेशन है, जो आईआईटी मद्रास को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। संस्थान के कैम्पस में आज (6 अगस्त 2024) एक कार्यक्रम में डॉ. कृष्ण चिवुकुला के सम्मान में एक शिक्षा ब्लॉक को कृष्ण चिवुकुला ब्लॉक' नाम दिया गया। इस अवसर पर डॉ. कृष्णा चिवुकुला, आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि, डीन (पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध) प्रो. महेश पंचग्नुला, आईआईटी मद्रास संस्थान उन्नति कार्यालय के सीईओ श्री कविराज नायर, फैकल्टी, शोधकर्ता, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल हुए।

डॉ. कृष्णा चिवुकुला 1997 में मेटल इंजेक्शन मोल्डिंग (एमआईएम)' नामक अत्याधुनिक इंजीनियरिंग निर्माण तकनीक भारत लेकर आए जबकि यह टेक्नोलॉजी अमेरिका में भी नई थी। आज उनकी कम्पनी इंडो यूएस एमआईएम टेक कैपेसिटी और सेल्स' के दृष्टिकोण से एमआईएम टेक्नोलॉजी में दुनिया में नंबर एक स्थान पर है और इसका अनुमानित कारोबार लगभग 1,000 करोड़ रुपयों का है।

सोने-चांदी के भाव में फिर बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा मार्केट में सोने-चांदी के भाव फिर गिर गए। 24 कैरेट गोल्ड का भाव 276 रुपये सस्ता होकर 68906 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। जबकि, चांदी की कीमत महज 13 रुपये प्रति किलो कम होकर 79145 रुपये पर खुली। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक आज 23 कैरेट गोल्ड का भाव भी 275 रुपये टूटकर 68630 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत भी अब 253 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर 63118 रुपये पर आ गई है। दूसरी ओर 18 कैरेट गोल्ड की कीमत भी 207 रुपये टूटकर 51680 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है।

14 कैरेट गोल्ड का भाव आज 162 रुपये की गिरावट के साथ 40310 रुपये प्रति 10 ग्राम आ गया है। सोने-चांदी के ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर आ रहा हो। 24 कैरेट सोने का भाव अब जीएसटी के साथ 70973 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड का

जीएसटी के साथ भाव 70688 रुपये है। इसमें 3 पर्सेंट जीएसटी के हिसाब से 2058 रुपये और जुड़ा हुआ है। जहां तक 22 कैरेट गोल्ड के रेट की बात है तो यह 65011 पर पहुंच गया है। इसमें जीएसटी के 1893 रुपये जुड़े हैं।

18 कैरेट गोल्ड 1550 रुपये जीएसटी समेत कीमत 53230 रुपये है। इसपर अभी ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स का मुनाफा नहीं जुड़ा है। एक किलो चांदी की जीएसटी समेत कीमत 81519 रुपये पर पहुंच गई है। सोने-चांदी के ये रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए हैं। इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। बता दें इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन 104 साल पुराना एसोसिएशन है। आइबीजेए दिन में दो बार दोपहर और शाम को गोल्ड रेट जारी करता है। ये रेटवित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के अनुसार सॉवरेन और बॉन्ड जारी करने के लिए बेंचमार्क दरें हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जर बनाती है कंपनी, शेयर खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। ईवी चार्जर बनाने वाली प्रमुख कंपनी सर्वोटेक पावर सिस्टम्स के शेयर आज बुधवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 10 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए और 132.34 रुपये के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, सर्वोटेक पावर सिस्टम्स को सोलर एनर्जी स्टोरेज तथा ग्रिड से जुड़ी सिस्टम्स की स्थापना के लिए करीब 10.20 करोड़ रुपये का 1.2 मेगावाट का वर्क ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर उत्तर प्रदेश से मिला है।

कंपनी ने क्या कहा?

कंपनी बयान के अनुसार, यह ठेका उत्तर प्रदेश के ग्रामीण विकास विभाग तथा उत्तर प्रदेश न्यू एवं रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (यूपीएनईडीए) से मिला है। सर्वोटेक पावर सिस्टम्स की निदेशक सारिका भाटिया ने कहा, ''हम उत्तर प्रदेश में ऊर्जा पहुंच तथा स्थिरता को बढ़ाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग और यूपीएनईडीए के प्रयासों में उनके साथ साझेदारी कर खुश हैं।''

जून तीमाही के नतीजे

बता दें कि कंपनी का जून में समाप्त होने वाली तिमाही में परिचालन से रेवेन्यू 79.57 करोड़ रुपये की तुलना में 41 प्रतिशत बढ़कर 112.19 करोड़ रुपये हो गया। ब्याज़, टैक्स, डेप्रिसिएशन और एमॉर्टाइज़ेशन से पहले की कमाई) त्त्ा एफवाय24 में ?7.13 करोड़ से त्त्ाएफवाय25 में ?8.54 करोड़ तक 20 प्रतिशत तक बढ़ गई। सकल लाभ में 29 प्रतिशत वृद्धि देखी गई ।

शेयरों के हाल

सर्वोटेक पावर सिस्टम्स के स्टॉक ने निवेशकों को लगातार मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। महीनेभर में यह शेयर 35 प्रतिशत और इस साल ङ्घञ्जष्ठ में अब तक 40 प्रतिशत चढ़ गया है। सालभर में इसमें 60 प्रतिशत की तेजी आई है। पांच साल में यह शेयर 5,151.59 प्रतिशत चढ़ा है। इस दौरान इसकी कीमत 2 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है।

अहाना ने सोशल मीडिया को कलाकारों के लिया बताया अभिशाप

अभिनेत्री अहाना एस कुमरा ने हिंदी सिनेमा ने अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ टीवी शो युद्ध से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वह लिपस्टिक अंडर माय बुर्का, द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और सलाम वेंकी जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। इसके बावजूद भी उन्हें लगता है कि आज उनके लिए काम पाना पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मुश्किल है। उन्होंने कहा कि प्रभाव और नेटवर्किंग ही एकमात्र ऐसी चीज हैं, जिनके जरिए आपको काम मिल रहा है। अहाना ने कहा, बहुत से सितारे उलझन में हैं कि इससे कैसे निपटा जाए, क्योंकि हमें सोशल मीडिया पर आक्रामक रूप से सक्रिय रहने और पीआर एजेंसियों की मदद लेने के लिए कहा जा रहा है। अभिनेत्री ने कहा सोशल मीडिया अभिनेताओं के लिए वरदान से ज्यादा अभिशाप बन गया है। उन्होंने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी, तो सोशल मीडिया पर खास तरह का दिखने और रील और डांस वीडियो करते रहने का इस तरह का दबाव नहीं था। आज बहुत सारी कास्टिंग सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर हो रही है।

उन्होंने कहा, आज के समय में काम पाना बहुत मुश्किल और बेहद दर्दनाक है। यहां तक कि जिन फिल्म निर्माताओं के साथ आप काम करना चाहते हैं, वे भी सोशल मीडिया के प्रभाव वाले लोगों की ओर बढ़ रहे हैं। इसलिए कलाकार सोच में पड़ जाते हैं कि क्या मुझे एक प्रभावशाली व्यक्ति बन जाना चाहिए और नौकरी पाने के लिए सोशल मीडिया पर नाचना शुरू कर देना चाहिए? अभिनेत्री ने आगे कहा, क्या मुझे बड़बड़ाना शुरू कर देना चाहिए। नकल करनी चाहिए या दिल्ली की आंटी की तरह बनना चाहिए? क्या आपको इस तरह से नौकरी मिलेगी? क्योंकि मुझे नहीं लगता कि वे लोग इससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे। अहाना ने कहा कि सोशल मीडिया के दबाव के साथ बाहरी व्यक्ति होना भी इंडस्ट्री में नुकसानदेह है। उन्होंने कहा, भारत में एक समय के बाद हमारी इंडस्ट्री में अभिनेताओं की कमी हो जाएगी। अगर आपको हर दिन सोशल मीडिया रील बनाने और कास्ट होने के लिए डांस करने के लिए कहा जाए, तो कौन अभिनय करने जा रहा है?

अहाना कुमरा ने नेपोटिज्म को लेकर कहा, यह एक बहुत ही क्रूर और कठिन इंडस्ट्री है। बाहरी व्यक्ति के तौर पर यह आपको दूसरा मौका नहीं देती, जबकि अंदरूनी व्यक्ति के तौर पर आपको 20-30 फिल्में बर्बाद करनी पड़ती हैं। ताकि इससे पहले आप यह समझ पाएं कि कैसे परफॉर्म करना है। फिल्मी परिवारों के युवा बच्चों को इंडस्ट्री में आने के लिए पांच साल की उम्र से ही तैयार किया जाता है।

हीरामंडी के शूटिंग एक्सपीरियंस से नाखुश जेसन शाह

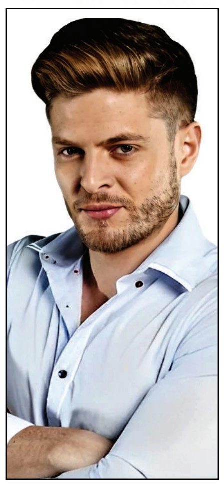

मई 2024 में नेटफिलक्स पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी काफी चर्चा में रही थी। मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा स्टारर इस सीरीज में जेसन शाह ने कार्टराइट का रोल प्ले कर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था, हालांकि अब एक्टर की मानें तो उनका शूटिंग एक्सपीरियंस कुछ खास नहीं था। एक्टर ने बताया है कि सेट पर कम्युनिकेशन की काफी कमी थी। हाल ही मे इनसाइड द माइंड विद ऋषभ को दिए इंटरव्यू में जेसन शाह ने हीरामंडी सीरीज की मेकिंग पर बात की है। एक्टर ने कहा है कि हीरामंडी के सेट पर कम्युनिकेशन की कमी थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि सब कुछ कम समय में हड़बड़ी में किया जाता है। ऐसे में कम्युनिकेशन की कमी हो जाती है। ये एक वीक पॉइंट है, जिस पर इंडस्ट्री को काम करना चाहिए। बातचीत के दौरान जेसन शाह ने ये भी बताया कि ज्यादातर हिस्सों में संजय लीला भंसाली ने उन्हें डायरेक्ट नहीं किया था। एक्टर अपने किरदार से भी ज्यादा खुश नहीं थे। इंटरव्यू में जेसन ने कहा है, मैंने हाल ही में लापता लेडीज देखी, उस फिल्म के किरदारों में गहराई थी। डायलॉग्स में गहराई थी। उसे देखकर आपका मनोरंजन होता है। अगर ऐसी और फिल्में बनेंगी, जिनमें किरदारों को गहराई से दिखाया जाएगा, तो लोग उससे कनेक्ट हो सकेंगे।

फिल्म 12वीं फेल के बाद नेशनल क्रश बन गईं थीं मेधा शंकर, तब विक्रांत मैसी ने दी थी ये सलाह

पिछले साल रिलीज हुई फिल्म '12वीं' फेल काफी चर्चा में रही थी। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री मेधा शंकर की जोड़ी को काफी सराहा गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल करने के बाद, ओटीटी पर भी काफी देखी गई थी। फिल्म में मेधा ने श्रद्धा जोशी का किरदार निभाया था।

मेधा के इस किरदार की वजह से उन्हें काफी पहचान मिली। उनकी मासूमियत की वजह से उन्हें काफी पसंद किया गया। उनके सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई। सोशल मीडिया पर उन्हे नेशनल क्रश तक कहा जाने लगा। फिल्म की वजह से उनकी पूरी जिंदगी रातों-रात बदल गई थी। इस दौरान उन्हें अपने सह-कलाकार और फिल्म के निर्माता से बेहद जरुरी सलाह मिली थी।

एक इंटरव्यू के दौरान मेधा ने फिल्म के बाद अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की है। उन्होंने कहा मुंबई में आने के बाद पांचवें साल में उन्हें ये फिल्म मिली थी। हालांकि, अभिनेत्री ने इस अवधि को संघर्ष बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह आसान नहीं था, लेकिन मैं इसे संघर्ष कहना पसंद नहीं करती। यह एक बहुत ज़्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। अभिनेत्री ने कहा कि मशहूर फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा ने उन पर विश्वास दिखाते हुए ऑडिशन के लिए भी नहीं कहा था। मेधा के मुताबिक, उन्हें इतने बड़े अवसर की उम्मीद भी नहीं थी। इस दौरान उन्होंने निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा की फिल्मों में महिला किरदारों के चित्रण की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि जब लोग उन्हें श्रद्धा के किरदार में देखेंगे, तो उन्हें पसंद करेंगे।

अभिनेत्री ने खुलासा किया विधु विनोद चोपड़ा और विक्रांत मैसी ने उन्हें सलाह दी थी कि वो सफलता की वजह से अपने अंदर बदलाव को ना आने दें। मेधा ने विक्रांत की सलाह को लेकर कहा, जब मुझे नेशनल क्रश के रूप में काफी ज्यादा चर्चा मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा था कि मेधा, बस याद रखो कि ये सब कुछ बस थोड़ी देर के लिए है , इसलिए बस सही चीजों पर ध्यान केंद्रित करो।

सन ऑफ सरदार 2 से बाहर हुए संजय दत्त

संजय दत्त और अजय देवगन एक जोड़ी एक बार फिर से परदे पर दिखने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा। दोनों सन ऑफ सरदार 2 में नजर आने वाले थे, जो साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार का सीक्वल है। इसकी वजह यह है कि संजय दत्त इस फिल्म से बाहर हो गए हैं। संजय दत्त के फिल्म से बाहर होने की वजह यह है कि उन्हें यूके का वीजा नहीं मिल पाया है और उन्हें फिल्म की शूटिंग के लिए वहां जाना था। मिड-डे में छपी एक रिपोर्ट बताती है कि अब अभिनेता और बीजेपी सांसद रवि किशन को संजय दत्त की जगह कास्ट कर लिया गया है। संजय दत्त ने सन ऑफ सरदार में बिल्लू का किरदार निभाया था और अजय देवगन, जस्सी रंधावा के रोल में नजर आए थे। दर्शकों को संजय के फिल्म से बाहर होने के चलते, दोनों को एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए किसी दूसरी फिल्म का इंतजार करना होगा। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी अभिनय कर रही हैं और इसे फिलहाल स्कॉटलैंड में फिल्माया जा रहा है। साल 1993 में मुंबई बम धमाकों के बाद, जब संजय दत्त को आर्म्स एक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था तो उन्हें पांच साल की सजा मिली थी, जिसे उन्होंने 2016 में पूरा किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी गिरफ्तारी के बाद से संजय दत्त आज तक यूके नहीं जा पाए हैं। वो वीजा के लिए कई बार आवेदन कर चुके हैं, लेकिन कभी बात नहीं बनी। सन ऑफ सरदार एक कॉमेडी एक्शन फिल्म है। इसका निर्देशन अश्वनी धिर ने किया था। इसमें अजय देवगन और संजय दत्त के अलावा सोनाक्षी सिन्हा, मुकुल देव, विंदु दारा सिंह, अर्जन बाजवा, तनुजा और संजय मिश्रा समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया था। फिल्म के गाने पो पो में सलमान खान भी थिरकते नजर आए थे।

अनन्या पांडे की फिल्म सीटीआरएल की रिलीज डेट का ऐलान, कंटेंट क्रिएटर की भूमिका में आएंगी नजर

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अपने आगामी प्रोजेक्ट सीटीआरएल को लेकर इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म सीटीआरएल की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर आयेगी। जानकारी के अनुसार, अनन्या पांडे सीटीआरएल में एक कंटेंट क्रिएटर की भूमिका निभा रही हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है और इसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। नेटफ्लिक्स के साथ अनन्या पांडे का यह दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले उनकी फिल्म 'खो गए हम कहां' नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। अनन्या ने फिल्म के बारे में कहा, सीटीआरएल एक आकर्षक प्रभावशाली फिल्म है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या वास्तव में आपका जीवन आपके अपने नियंत्रण में होता है। मेरा मानना है कि यह फिल्म सभी के लिए है, क्योंकि टेक्नॉलॉजी में तेजी से इजाफा हो रहा है और इस पर हमारी निर्भरता भी बढ़ती जा रही है। निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने का मानना है कि हम अपने डिवाइस पर जितना समय बिताते हैं, उस हिसाब से स्क्रीन टाइम को अब स्क्रीन लाइफ हो गया है। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि क्या वास्तव में हम अपने जीवन के सभी डिजिटल एक्सटेंशन को नियंत्रण कर रहे हैं, या हमें नियंत्रित किया जा रहा है यही कारण है कि इसका जवाब 'सीटीआरएल' के जरिए तलाशा जा रहा है। इस तरह के नए युग की अवधारणा के लिए, हमें न केवल ऐसे कलाकारों की जरूरत थी जो इस तरह का जीवन जीते हों, बल्कि नेटफ्लिक्स जैसा प्लेटफॉर्म भी चाहिए था, जो लोगों के बीच लोकप्रिय है। प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी ने फिल्म सीटीआरएल को लेकर खुशी जाहिर की।

मुझे कई फिल्मों के लिए पैसे नहीं मिले...

सुनिधि चौहान देश की मशहूर गायिका हैं। उन्होंने एक से बढ़कर सुपरहिट गाने दिए हैं। बड़ी संख्या में देश भर में उन्हें लोग उन्हें पसंद करते हैं। यही नहीं, सुनिधि चौहान भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाली गायिकाओं में से भी एक हैं। हाल ही में, उन्होंने बॉलीवुड संगीत माफिया के बारे में खुलकर बात की, जिस पर सोनू निगम ने भी कमेंट किया था।

बॉलीवुड माफिया पर बोलीं सुनिधि

हाल ही में, एक इंटरव्यू में सिंगर से पूछा गया कि क्या बॉलीवुड माफिया ही इंडस्ट्री की चीजों को नियंत्रित करता है। राज शमनी से बात करते हुए सुनिधि ने जवाब दिया, यह हर जगह मौजूद है। लॉबी पुरस्कार समारोहों, संगीत, फिल्मों और रिएलिटी शो में मौजूद है। यह ऐसी चीज है, जिससे आप बच नहीं सकते। आप अपना काम करें, और अगर आप इसमें शामिल होना चाहते हैं तो चीजों को ठीक करने के लिए ऐसा करें। सिंगर से आगे पूछा गया, कई बार ऐसा होता है कि एक गाना कई गायकों के साथ बनाया जाता है, और फिर निर्माता एक को चुन लेते हैं और बाकी को काम के लिए पैसे भी नहीं मिलते। तो क्या बॉलीवुड में पैसे नहीं मिलते? इस पर सुनिधि ने कहा, मुझे कई फिल्मों के लिए पैसे नहीं मिले। आज भी वे मुझे पैसे नहीं देते। वे पूछते हैं और मैं पैसे नहीं लेती क्योंकि मुझे लगता है कि इस गाने के लिए मुझे पैसे की जरूरत नहीं है। कुछ जगहों पर मैं मदद करना चाहती हूं इसलिए मैं अपनी कीमत बताती हूं और गाना गाती हूं।

सोनू निगम ने की थी चर्चा

सुनिधि ने आगे कहा, आप किसी के अहंकार को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते क्योंकि हर कोई आपकी तरह नहीं सोचता। वे यह भी नहीं समझ सकते कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले सोनू निगम ने एक बार इस समूह के बारे में एक बयान दिया था, जिसमें कहा गया था कि कुछ ही लोग हैं, कुछ ही लोगों को आगे बढ़ाएंगे?

सर्जरी कराने को लेकर ट्रोल हुईं रिमी सेन

एक समय कॉमेडी फिल्मों में नजर आने वाली अभिनेत्री रिमी सेन इन दिनों अपने लुक्स को लेकर हर तरफ चर्चा में हैं। अभिनेत्री वर्षों से लाइमलाइट से दूर हैं, लेकिन एक रैंडम रेडिट पोस्ट ने रिमी सेन को फिर से लाइमलाइट में ला दिया। सोशल मीडिया पर उनकी लेटेस्ट तस्वीरें वायरल होने लगी, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने सर्जरी करवा ली है। इसके बाद अभिनेत्री को आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। हालांकि, अब रिमी ने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। रिमी ने कहा, अगर लोगों को ऐसा लग रहा है कि मैंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है... अगर यह अच्छे तरीके से हो, तो यह मेरे लिए बहुत अच्छा है। बिना प्लास्टिक सर्जरी करवाए बिना ही लोग बोल रहे हैं। मैंने केवल फिलर्स, बोटॉक्स, पीआरपी ट्रीटमेंट करवाया है, इसके अलावा कुछ नहीं।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास अच्छे डॉक्टर्स हैं

अभिनेत्री ने आगे कहा, जब तक कोई व्यक्ति कोई अपराध करके भाग न रहा हो, तब तक उसे प्लास्टिक सर्जरी करवाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। भारत के बाहर बहुत से अच्छे डॉक्टर हैं, जो फेसलिफ्ट करने में माहिर हैं। मैं भी यह करवाना चाहती हूं, लेकिन मैं 50 की उम्र पार करने के बाद इस बारे में सोचूंगी। अभी इन सबसे काम चल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.

डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

संक्षिप्त समाचार

ओकलाहोमा सिटी में छोटा विमान क्रैश, सवार सभी लोगों की मौत

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के ओकलाहोमा सिटी में मंगलवार दोपहर एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ओकलाहोमा सिटी के अग्निशमन अधिकारी जॉन चेनोवेथ ने बताया कि शहर के बाहरी इलाके में स्थित सनडांस हवाई अड्डे पर दोपहर करीब डेढ़ बजे एकल इंजन वाले एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। चेनोवेथ ने कहा कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है। हालांकि, एफएए, एनटीएसबी और सनडांस हवाई अड्डे के प्रबंधन ने इस विमान हादसे पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

नेपाल में लगातार बारिश के बाद भूस्खलन, 8 लोगों की मौत, 6 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में मंगलवार को कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमालयी देश में जून की शुरुआत में मानसून का मौसम शुरू होने के बाद से विभिन्न घटनाओं में मरने वालों की संख्या 165 हो गई है। बागलुंग जिले के बादीगाड ग्रामीण नगर पालिका में भूस्खलन में घर ढह जाने से दो परिवारों के आठ लोगों की मौत हो गई और बचाए गए चार अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सहायक मुख्य जिला अधिकारी चित्रांगत बराल ने स्थानीय मीडिया को बताया, आठ मृतकों में से छह बच्चे हैं। जिला पुलिस के प्रवक्ता राम कुमार केसी ने कहा कि गुल्मी जिले के मुसीकोट नगर पालिका में दो घर भूस्खलन में दब जाने से चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता दान बहादुर कार्की ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि जून की शुरुआत में मानसून का मौसम शुरू होने के बाद से बारिश से संबंधित आपदाओं में मंगलवार अपराह्न तक कुल 165 लोग मारे गए हैं। मौसम पूर्वानुमान प्रभाग ने मंगलवार और बुधवार को भारी बारिश के बारे में देश के 34 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया है।

मध्य पूर्व में जारी संकट के बीच डब्लूएचओ ने 32 टन स्वास्थ्य सामग्री लेबनान भेजी

बेरूत, एजेंसी। डब्लूएचओ ने मध्य पूर्व में संभावित युद्ध के खतरे के मद्देनजर 32 टन स्वास्थ्य सामग्री और दवाएं लेबनान भेजी हैं। जिससे मध्य पूर्व एशिया में किसी भी अस्थिर स्थिति में लेबनान के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं और दवाओं की किल्लत का सामना न करना पड़े। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह स्वास्थ्य सामग्री और दवाएं लेबनान पहुंच चुकी हैं। बेरूत स्थित रफीक हरीरी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लेबनान के विदेश मंत्री फिरास अबियाद ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि अब्दल नसीर अबु बक्र की मौजूदगी में इन दवाओं और स्वास्थ्य सामग्री को प्राप्त किया। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक विदेश मंत्री फिरास अबियाद ने डब्ल्यूएचओ का आभार जताते हुए मध्य पूर्व एशिया में यूएन द्वारा युद्ध रोकने के लिए इजरायल पर बनाए जा रहे दबाव का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान अबू बक्र ने डब्ल्यूएचओ के उद्देश्य के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि लेबनान को चिकित्सा सहायता मुहैया कराने का ध्येय स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करना और संकट के दौरान दवाओं की आपूर्ति करना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन स्वास्थ्य क्षेत्र और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद करना आगे भी जारी रखेगा। 30 जुलाई को बेरूत के दक्षिणी नगरों में इजरायल के हमले के बाद लेबनान अपनी धरती पर बेहद सावधानी बरत रहा है। इस हमले में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ सैन्य कमांडर फौद शोकोर के साथ सात नागरिकों की मौत हो गई थी। हिजबुल्लाह महासचिव हसन नसरल्लाह ने उचित समय आने पर इजरायली हमले का भीषण और दर्दनाक जवाब देने की धमकी दी है। बता दें हमास पोलित ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानिया मंगलवार को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित थे। वहीं पर बुधवार तड़के वह इजरायली हमले में अंगरक्षकों समेत मारे गए थे।

कमला हैरिस-वॉल्ज की एक साथ पहली चुनावी रैली, कहा- हमारा मकसद सिर्फ ट्रंप के खिलाफ लड़ना नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने मंगलवार को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए आधिकारिक उम्मीदवारी हासिल कर ली। वहीं, उन्होंने टिम वाल्ज को अपना रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। आधिकारिक एलान के बाद 59 साल की हैरिस ने अपने रनिंग मेट के साथ पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया में पहली रैली की।

मैं गर्व से एलान करने... : इस दौरान भारतवंशी नेता हैरिस ने भीड़ से कहा, मैं आपके सामने गर्व से एलान करने के लिए खड़ी हूं कि मैं आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हूं। हमारा मकसद सिर्फ ट्रंप से लड़ना नहीं- हैरिस उन्होंने आगे कहा, हमारा मकसद सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ लड़ाई करना नहीं है। हमारे अभियान का मकसद भविष्य के लिए लड़ना है। यह पेंसिल्वेनिया में भविष्य के लिए एक लड़ाई है। हम किफायती आवास, किफायती स्वास्थ्य सेवा और किफायती बाल देखभाल वाले भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं। हम एक ऐसे भविष्य के लिए लड़ते हैं, जहां हम एक व्यापक-आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करते हैं, जहां हर अमेरिकी के पास घर लेने, व्यवसाय शुरू करने और धन बनाने का अवसर होता है।

हम भविष्य के लिए लड़ते हैं : उपराष्ट्रपति ने कहा, हम एक ऐसे भविष्य के लिए लड़ते हैं, जहां हम उन कीमतों को कम करते हैं जो अभी भी बहुत अधिक हैं। अमेरिका के परिवारों के लिए जीवन यापन की लागत कम करते हैं ताकि उनके पास न केवल पाने का मौका हो, बल्कि आगे बढ़ने का भी अवसर हो। हम एक ऐसे भविष्य के लिए लड़ते हैं, जहां हम अपनी सबसे मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। जैसे- वोट देने की स्वतंत्रता, बंदूक हिंसा से सुरक्षित रहने की स्वतंत्रता, खुले तौर पर और गर्व के साथ प्यार करने की आजादी और एक महिला द्वारा अपने शरीर के बारे में फैसला लेने की आजादी।

मध्यम वर्ग की आवाज रखने वाला हो : उन्होंने कहा, जिस दिन से मैंने अपनी उम्मीदवारी का एलान किया उस दिन से मैं एक साथी की तलाश कर रही थी, जो उज्जवल भविष्य के निर्माण में मेरी मदद कर सके। एक ऐसा नेता जो हमारे देश को एकजुट करने और हमें आगे ले जाने में मदद करे। मध्यम वर्ग की आवाज रखने वाला हो। एक देशभक्त जो मेरी तरह अमेरिका की असाधारण संभावनाओं में विश्वास करता हो। पेंसिल्वेनिया मैं आज यहां हूं क्योंकि मुझे ऐसा नेता मिल गया है। वो हैं मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज। आने वाले 91 दिनों में देश उन्हें एक अन्य नाम से जानेगा यानी अमेरिका के उपराष्ट्रपति के तौर पर।

ट्रंप पर वॉल्ज का हमला : वहीं, टिम वॉल्ज ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को हमसे थोड़ा अलग तरीके से देखते हैं। पहली बात तो यह कि वह सेवा के बारे में नहीं जानते। उनके पास इसके लिए समय नहीं है क्योंकि वह खुद की सेवा करने में बहुत व्यस्त है। ट्रंप ने अपना हाथ मजबूत करने के लिए हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया। कोई गलती न करें, डोनाल्ड ट्रंप के तहत हिंसक अपराध हुआ था।उनके द्वारा किए गए अपराधों की गिनती भी नहीं है।

पार्टी के लोगों ने दी बधाई : डीएनसी के अध्यक्ष जैमी हैरिसन ने कहा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों, कमला हैरिस और टिम वाल्ज को बधाई देना मेरे लिए बहुत सम्मान और विशेषाधिकार है। हैरिस और वाल्ज डेमोक्रेटिक पार्टी और हमारे देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। कामकाजी परिवारों के लिए लागत कम करने, हर अमेरिकी की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और हमारे लोकतंत्र के लिए खड़े होने की उनकी दृष्टि हमारा मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने आगे कहा, हमारी पार्टी की गति और एकता अभूतपूर्व है। हमारे ऑनलाइन हुए चुनाव में सभी प्रतिनिधियों में से 99 फीसदी ने इस नवंबर में उपराष्ट्रपति हैरिस को राष्ट्रपति हैरिस में बदलने के लिए अपना वोट डाला। कन्वेंशन चेयर मिनियन मूर ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने अब आधिकारिक तौर पर हैरिस और वाल्ज को अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान हजारों प्रतिनिधियों ने अपनी आवाज तथा अपने समुदायों की आवाज सुनी और उनके परिश्रम एवं समर्पण ने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक मतदाता को इस नवंबर में हमारे डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट देने का अवसर मिले।

कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति पद के लिए गवर्नर टिम वाल्ज को चुना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति की उम्मीदवार कमला हैरिस ने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को अपना रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना है। 60 वर्षीय वाल्ज एक पूर्व स्कूल शिक्षक, एक सैन्य दिग्गज, प्रतिनिधि सभा के सदस्य और दो बार गवर्नर रह चुके हैं। उन्होंने हाल ही में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके साथी सीनेटर जेडी वेंस और उनके अभियान और उनके विचारों का वर्णन करने के लिए कहा था अजीब। इस शब्द को हैरिस अभियान और उनके सहयोगियों ने तुरंत अपना लिया। सोमवार रात को फिलाडेल्फिया में एक चुनावी रैली में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का आधिकारिक नामांकन हासिल करने वाल्ज पहली बार हैरिस के साथ दिखेंगे। वे उनके साथ राज्यों के दौरे पर जाएंगे। कमला हैरिस 20 जनवरी, 2021 को अमेरिका की पहली उपराष्ट्रपति बनी थी। उनसे पहले कोई भी महिला इस पद तक नहीं पहुंच पाई। हालांकि, 2016 में राष्ट्रपति पद के लिए हिलेरी क्लिंटन ने डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती दी थी। लेकिन, उन्हें हार का सामना करना पड़ा। कमला का जन्म 20 अक्टूबर 1964 को कैलिफोर्निया में भारतीय और जमैकन मूल के माता-पिता के घर में हुआ था। कमला हैरिस की मां श्यामा गोपालन भारतीय मूल की थीं और उनके पिता डोनाल्ड जैस्पर हैरिस का नाता जमैका से था। कमला हैरिस के लिए बचपन अच्छा नहीं बीता। वह जब सात साल की थीं तो उनके माता-पिता अलग हो गए। उनकी मां श्यामला गोपालन ने ही कमला और उनकी बहन की देखरेख की। उन्होंने अपनी मां के जीवन से काफी कुछ सीखा। बचपन के दिनों में अपनी मां के साथ हिंदू मंदिर जाती थीं। इस दौरान उनका भारत भी आना-जाना लगा रहा। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। कमला हैरिस ने साल 2014 में वकील डगलस एम्पहॉफ से शादी की। उनके पति यहूदी हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस होंगे बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में इन दिनों आगजनी और भीषण हिंसा हो रही है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई हैं। इस बीच बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मौजूदा संसद को भंग करने का ऐलान किया है। देश में जल्द ही अंतरिम सरकार का गठन होगा। इस दौरान जमात-ए-इस्लामी और छात्र शिबिर ने अपने कार्यकर्ताओं को हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों के अन्य धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करने को कहा है। वहीं भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के कोऑर्डिनेटर छात्र समूह ने एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें कहा है कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार होंगे। अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों के नामों के प्रस्ताव भी साझा किए जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, छात्र आंदोलन के प्रमुख कोऑर्डिनेटर में से एक नाहिद इस्लाम ने कहा कि उन्होंने पहले ही डॉ. मोहम्मद यूनुस से बात की है। देश के मौजूदा हालात देखते हुए उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। बता दें कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में आगजनी और भीषण हिंसा के बीच भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर भारतीय सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलर्ट पर है।

दंगों की आग में जल रहा ब्रिटेन , सरकार ने हालात पर काबू के लिए 6 ,000 विशेषज्ञ पुलिसकर्मी किए तैयार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को बताया कि तीन बच्चों की हत्या के बाद भड़के दंगों से निपटने के लिए 6,000 विशेष पुलिस अधिकारी तैयार हैं। । प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने सोमवार को मंत्रियों और पुलिस प्रमुखों के साथ एक आपात बैठक बुलाई। स्टारमर ने मीडिया को बताया कि सरकार आपराधिक न्याय प्रणाली को सख्त करेगी ताकि दंड शीघ्र मिल सके। नेशनल पुलिस चीफ्स काउंसिल ने बताया कि अब तक 378 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य लोगों को भी न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। इस घटना के बाद पूरे हफ्ते हिंसा होती रही। सोमवार को, दक्षिण इंग्लैंड के प्लायमाउथ में दंगाइयों ने ईंटें और पटाखे फेंके, जिससे छह लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए। उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट में, दंगाइयों ने एक विदेशी नागरिक की दुकान को आग लगाने की कोशिश की, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस ने इसे नस्लीय घृणा अपराध माना है। इस बीच, बर्मिंघम में एक समूह ने एक संभावित फासीवादी प्रदर्शन को रोकने के लिए इकट्ठा होकर फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाते हुए एक स्काई न्यूज़ रिपोर्टर को डराया। एक अन्य रिपोर्टर ने कहा कि उसे हथियार की तरह दिखने वाली चीज के साथ पीछा किया गया। पुलिस ने बताया कि एक पब और एक कार को नुकसान पहुंचाया गया। दंगों की शुरुआत पिछले मंगलवार को हुई जब दक्षिणपोर्ट में एक टेलर

स्विफ्ट-थीम वाली डांस क्लास में तीन बच्चों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई । तब से कई शहरों और कस्बों में हिंसा फैल गई, जिसके चलते सैकड़ों गिरफ्तारियां हुईं। न्याय मंत्री हेडी एलेक्जेंडर ने मंगलवार को बीबीसी रेडियो 4 को बताया कि सरकार ने 500 अतिरिक्त जेल स्थान और 6,000 विशेष पुलिस अधिकारियों की व्यवस्था की है।

उन्होंने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि दंगों और अव्यवस्था के परिणामस्वरूप जिन्हें भी जेल की सजा दी जाएगी, उनके लिए जेल में जगह होगी। दंगाइयों ने ईंटें और पटाखे फेंके, पुलिस पर हमला किया, दुकानों में आग लगाई, कारों और घरों की खिड़कियां तोड़ीं और कई शहरों में शरणार्थियों के होटलों को निशाना बनाया। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने सोमवार को मंत्रियों और पुलिस प्रमुखों के साथ एक आपात बैठक बुलाई। स्टारमर ने मीडिया को बताया कि सरकार आपराधिक न्याय प्रणाली को सख्त करेगी ताकि दंड शीघ्र मिल सके। नेशनल पुलिस चीफ्स काउंसिल ने बताया कि अब तक 378 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य लोगों को भी न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। बुधवार को दक्षिणपोर्ट में झड़पें शुरू हुईं, जब वहां तीन लड़कियों की हत्या और पांच अन्य बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने की खबरें आईं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने फिजी के मंदिर में की पूजा, कहा- दोनों देशों का 145 साल पुराना रिश्ता

सुवा, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिलहाल तीन देशों की यात्रा पर हैं। सबसे पहले वह फिजी के दौरे पर पहुंची हैं। इस दौरान उन्होंने बुधवार सुबह यहां के नाडी स्थित श्री शिव सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

फिजी में भारतीय समुदाय को किया संबोधित : वहीं, इससे पहले उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान फिजी में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने भारत एवं फिजी के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की प्रशंसा की और इस द्वीपीय देश में भारतीय प्रवासियों की भूमिका को पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया।

145 साल पुराना रिश्ता : राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, जब भी मैं विदेश यात्रा करती हूं तो भारतीय समुदाय और भारतीय प्रवासी के सदस्यों से मिलना हमेशा एक विशेष एहसास होता है। फिजी एक ऐसा देश है, जिसके साथ हमारा 145 साल पुराना एक खास रिश्ता है। इसलिए आप सभी से यहां मिलकर बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्ड शुरू करने के भारत सरकार के फैसले की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने वैश्विक मंच पर प्रमुख नेतृत्व की भूमिका निभाई है। एक सक्षम और उत्तरदायी भारत उभर रहा है। उन्होंने आगे कहा, पिछले साल हमारी जी-20 अध्यक्षता की ऐतिहासिक सफलता ने दिखाया कि भारत का समावेशी, निर्णायक, महत्वाकांक्षी और कार्योन्मुखी नेतृत्व दुनिया के लिए क्या कर सकता है। जैसा कि हमने अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान किया था, हम ग्लोबल साउथ के हितों को मजबूती से आवाज देने के लिए हर वैश्विक मंच का उपयोग करना जारी रखेंगे और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और सुरक्षित दुनिया बनाने का प्रयास करेंगे।

यूरोप तक पहुंचा बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का मुद्दा, नीदरलैंड के नेता बोले- यह भयानक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का मुद्दा अब यूरोप तक पहुंच गया है। नीदरलैंड के राजनेता गीर्ट वाइल्डर्स ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुए हिंसा की निंदा की। उन्होंने इसे भयानक बताया और हिंसा को जल्द समाप्त करने का भी आह्वान किया। दरअसल, बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कुछ खास लोगों के एक वर्ग के लिए आरक्षण प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य से छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। हिंसा के बीच ढाका में हिंदू समुदाय के दो नेताओं ने बताया कि हिंदुओं के कई मंदिरों, घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की गई। महिलाओं पर हमला किया गया। हसीना के देश से भागने के बाद हुई हिंसा में अवामी लीग पार्टी से जुड़े दो हिंदू नेताओं की मौत हो गई। बता दें कि वर्तमान समय में बांग्लादेश में सियासी उथल-पुथल के बाद मंगलवार को अंतरिम सरकार का गठन किया गया। नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने इसकी घोषणा की।

इस हिंसा में कई लोगों की जान चली गई। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़कर 440 तक हो चुकी है। गीर्ट वाइल्डर्स नीदरलैंड्स के नेता हैं, जिन्होंने दक्षिणपंथ दल- पार्टी फॉर फ्रीडम की 2006 में स्थापना की और इसका नेतृत्व कर रहे हैं।.

बांग्लादेश में हिंसा को लेकर उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा भयावह है। उन्हें मारा जा रहा है और इस्लामिक भीड़ उनके घरों को जला रहे हैं। इसे तुरंत खत्म करना चाहिए। बांग्लादेश में हिंसा भड़कने के बाद शेख हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर चली गईं। शेख हसीना के इस्तीफे के बाद कई प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के आवास गणभवन में घुसे और वहां से सामान लूट कर ले गए। कई लोग संसद भवन में भी घुसकर वहां से चीजे ले गए। प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना के निजी आवास सुधा सदन में भी आग दी। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के आवास में भी तोड़फोड़ की। कई लोगों को मुख्य न्यायाधीश के आवास की दीवार फांदकर अंदर जाते देखा गया। इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना भारत आ गईं।

बांग्लादेश में हिंसा, तोड़फोड़ और लूट को लेकर चिंतित है खालिदा जिया, कहा- हमें देश को बनाना होगा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में राष्ट्रव्यापी हिंसा, तोड़फोड़ और सरकारी संसाधनों की लूट को लेकर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नेता खालिदा जिया ने चिंता व्यक्त की। बीएनपी नेताओं ने इसकी जानकारी दी। दरअसल, सरकारी नौकरियों में कुछ खास लोगों के एक वर्ग के लिए आरक्षण प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य से छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। जिसके बाद इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया। जिसमें कई लोगों की जान चली गई।

बांग्लादेश खिलाफत मजलिस के महासचिव मौलाना मामुनुल हक ने अस्पताल में खालिदा जिया से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद खालिदा जिया ने कहा, हमारे राज्य के संसाधन नष्ट हो रहे हैं। यह हमारा देश है। हमें इस देश को बनाना है। मंगलवार यानी की छह अगस्त को बांग्लादेश के राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया कि रिहाई की घोषणा की। रिहा होने के बाद खालिदा जिया ने मौलाना मामुनुल हक के पिता दिवंगत शेखुल हदीस अजीजुल हक को याद किया।

संपत्ति को लूटना एक गंभीर घटना- खालिदा जिया : खालिदा जिया ने कहा कि लोगों के जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचा एक गंभीर घटना है। राज्य के संसाधनों को लूटने में कई लोग शामिल हैं। उन्होंने इसे

अन्यायपूर्ण बताया। इस मुद्दे पर बात करते हुए खिलाफत मजलिस के संयुक्त महासचिव मौलाना अताउल्लाह अमीन ने कहा कहा, बेगम खालिदा जिया एक उत्पीड़ित महिला हैं। हम लंबे समय तक जेल में रहे। मौलाना मामुनुल हक भी लंबे समय तक जेल में रहे। मौलाना मामुनुल हक के नेतृत्व में हम उनके स्वास्थ्य के बारे पूछने गए थे। मौलाना अताउल्लाह अमीन ने कहा, बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति ठीक नहीं है। खालिदा जिया देश के लिए लोगों से प्रार्थना करने का अनुरोध कर रही है। मुलाकात को लेकर सवाल पूछे जाने पर अताउल्लाह अमीन ने कहा, हमारे देश की स्थिति ठीक नहीं है। वह इसे लेकर बहुत चिंतित हैं। राज्य के संसाधनों को लूटना सही नहीं है। जो अन्याय करेगा, अल्लाह उन्हें सजा देगा। पांच अगस्त को राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद ने खालिदा जिया की रिहाई का आदेश जारी किया। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ ही घंटों बाद राष्ट्रपति ने खालिदा जिया की रिहाई की घोषणा की थी।

राष्ट्रपति ने बुलाई थी बैठक : राष्ट्रपति की प्रेस टीम ने बताया कि शहाबुद्दीन के नेतृत्व में एक बैठक बुलाई गई, जिसमें बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया और छात्र प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को रिहा करने का फैसला लिया गया। इस बैठक में कई विपक्षी पार्टियों के नेता भी शामिल थे। बता दें कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया अपनी खराब स्वास्थ्य के लिए अस्पताल में भर्ती हैं। 2018 में उन्हें भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया था और 17 साल की जेल की सजा दी गई थी।

राजस्थान के पाली में 15 गांव डूबे, बिहार में बिजली गिरने से 8 मौतें

मप्र में नर्मदा का बैकवाटर लेवल बढ़ा, बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली।

देश के लगभग सभी राज्यों में बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हुई है। गंगा, बागमती और कोसी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कटिहार के बरारी में सुखाई घाट से मतलुधार के बीच 5 करोड़ की लागत से बन रहे ब्रिज का पिलर और ब्रिज बॉक्स गंगा में समा गया। मप्र में नर्मदा नदी का बैकवाटर लगातार बढ़ रहा है। बीते दो दिन से बड़वानी के राजघाट में बैकवाटर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचते हुए 126.80 मीटर पहुंचा है। वहीं ओंकारेश्वर बांध से टरबाइन चलाने के साथ ही बुधवार शाम को 9 गेट खोले गए हैं वहीं गुरुवार सुबह भी 9 और गेट खोले गए।हिमाचल प्रदेश के मंडी के 9 मील के पास देर रात 3 बजे चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। मलबे में एक ट्रक और पिकअप फंस गया। दोनों गाडियों के ड्राइवर ने भागकर जान बचाई। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान लगातार तेज बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे सहित 214 सडक़ें बंद हैं। राजस्थान के पाली शहर में 15 गांव डूब गए हैं। अभी तक रेस्क्यू कर करीब 100 लोगों को बचाया गया है। यहां से 100 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मौसम विभाग ने राज्य के 9 जिलों में अलर्ट जारी किया है।

1984 क्यूमेक्स पानी छोड़ा

ओंकारेश्वर बांध से 1984 क्यूमेक्स पानी छोड़ा गया है। इससे जिले में निचले कछार क्षेत्रों में तेजी से बैकवाटर बढ़ेगा। इसके मद्देनजर पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। उधर एनएचडीसी ने इंदिरा सागर परियोजना के भी गेट खोलने के संबंध में बड़वानी सहित खंडवा, देवास, खरगोन, धार व हरदा जिलों के कलेक्टर को पत्र मेल व मैसेज के माध्यम से भेजे हैं। बड़वानी शहर के पास नर्मदा का बैकवाटर खतरे के निशान से तीन मीटर ऊपर पहुंच गया। साथ ही पुरा ना पुल डूबने की कगार पर है। प्राचीन घाट से भी बैकवाटर अब चंद मीटर नीचे है। दो-तीन मीटर बैकवाटर और बढने् की स्थिति में राजघाट गांव टापू बनने लगेगा।

तटीय गांवों में अलर्ट

वहीं सरदार सरोवर बांध परियोजना अंतर्गत जिले के तटीय डूब गांवों में अलर्ट मोड को लेकर पुलिस महकमे द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में ग्रामीणों की बैठक लेकर सावधान रहने का आह्वान किया है। बड़वानी कोतवाली सहित अंजड़, ठीकरी व पाटी थाना क्षेत्र की पुलिस ने थाना परिसर व डूब गांव में चौपाल लगाकर बैठक ली। इंदिरा सागर पावर स्टेशन के बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ प्रभारी के संबंधित कलेक्टरों को भेजे पत्र में बताया कि इंदिरा सागर परियोजना से बांध के गेट खोलकपानी छोड़ा जाएगा। इससे बड़वानी जिले के तटीय क्षेत्र में बेकवाटर बढ़ेगा।

कैब ड्रायवर से मारपीट कर पैसा वसूलने वाले दरोगा को किया बर्खास्त

पुलिस कमिश्नर ने लिया एक्शन, डीसीपी और थाना प्रभारी को भी हटाया

नोएडा।

ग्रेटर नोएडा में एक कैब चालक से पैसा वसूलने के आरोप में ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ घटना में इस्तेमाल की गई गाड़ियों को जब्त कर लिया है। घटना की जानकारी होने के बाद भी दो दिन तक छिपाने और सीनियर अधिकारियों को जानकारी न देने पर डीसीपी सेंट्रल को पद से हटा दिया गया है। बिसरख थाना प्रभारी और गौर सिटी-1 चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है।

बता दें कि बागपत के बड़ौत के रहने वाले कैब चालक राकेश तोमर ने पुलिस कमिश्नर से लिखित शिकायत की थी जिसमें उसने दो अगस्त की रात करीब एक बजे दिल्ली के पंचशील विहार से महिला सवारी को छोड़ने गौर सिटी आया था। आरोप है कि दो कारों में सवार पांच लोग कैब चालक के पास आए और उन्होंने उसे कार से उतारकर उसके साथ अभद्रता की। उनमें एक पुलिस की वर्दी में था। वे उसे सुनसान स्थान पर ले गए, जहां उसके साथ मारपीट कर सात हजार रुपए भी छीन लिए थे जब कैब ड्राइवर ने कहा कि उसके पास खर्च के लिए कोई पैसे नहीं हैं तो आरोपियों ने पांच सौ रुपये देकर उसे वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस कंट्रोल रूम में मामले की शिकायत की थी। घटना के बाद मौके पर पहुंचे गौर सिटी चौकी इंचार्ज ने समझौता करने का दबाव बनाया। वहां जाकर पता चला कि वर्दी पहने पुलिसकर्मी गौर सिटी का एक दारोगा है। उसके साथ अन्य अज्ञात व्यक्ति हैं। जब पीड़ित ने पुलिस चौकी पहुंचकर शिकायत की तो चौकी प्रभारी ने उस आरोपी ट्रेनी सब इंस्पेक्टर को बुलाकर उसकी पहचान कराई, लेकिन उसका नाम नहीं बताया। इसके बाद सात हजार रुपए वापस कर समझौता करने को कहा, लेकिन पीड़ित नहीं माना। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से इसकी शिकायत की। कैब चालक की शिकायत पर पुलिस कमिश्नर ने मामले की जांच करवाई उसके बाद ट्रेनी सब इंस्पेक्टर अमित मिश्रा और उसके अन्य दो साथी अभिनव व आशीष को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आठ भारतीय नागरिक रूसी सुरक्षा बलों के लिए काम करते हुए मारे गए, 66 अभी भी काम कर रहे

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के मुताबिक रूस की ओर लड़ते हुए अभी तक आठ भारतीय नागरिकों की मौत हुई है। इनकी पहचान उनके परिजनों ने की है। वहीं 13 भारतीय अभी तक स्वदेश वापसी करने में सफल हुए हैं। यह जानकारी तृणमूल कांग्रेस के सांसद जवाहर सिरकर के सवाल के जवाब में गुरुवार को विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्य सभा में दी। मंत्री ने बताया कि 66 भारतीय अभी भी रूस की सेना में काम कर रहे हैं।

उन्हें जल्द से जल्द कार्यमुक्त किए जाने की संभावना है।विदेश राज्यमंत्री ने बताया कि रूस के सशस्त्र बलों में काम कर रहे भारतीय नागरिकों को वहां से छुड़ाने का अनुरोध उनके परिजनों ने किया है। उन्होंने बताया कि इस तरह के कितने भारतीय रूस के सशस्त्र बलों में काम कर रहे हैं, इसकी जानकारी सरकार के पास नहीं है। रूस में इस तरह से मारे गए चार भारतीयों के शव लाने के लिए सरकार ने वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दूसरे मामलों में भी सरकार मदद करेगी।

उन्होंने बताया कि रूस की सरकार ने बताया है कि इस तरह मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। यह मुआवजा उनकी ओर से किए गए समझौते के मुताबिक दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि रूस के सशस्त्र बलों में काम कर रहे भारतीयों को समय से पहले कार्यमुक्त करने, उनकी सुरक्षा के मामले को भारत सरकार ने रूसी अधिकारियों के सामने मजबूती से उठाया है। उन्होंने रूस में काम करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों से इस तरह के मामलों से बचने के लिए सावधानी बरतने की उम्मीद की।

उन्होंने बताया कि इस तरह के मामलों को रोकने के लिए सरकार अवैध एजेंटों की सूची समय-समय पर ई-माइग्रेट पोर्टल पर सार्वजनिक करती रहती है। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल पर जून 2024 तक तीन हजार 42 अवैध एजेंटों के नाम अधिसूचित किए गए हैं।

महाराष्ट्र-गुजरात से 831 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

-एटीएस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया; आतंकी लंबा जागने के लिए यह ड्रग्स लेते हैं

अहमदाबाद।

गुजरात एटीएस ने महाराष्ट्र और गुजरात की दो दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 831 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ड्रग्स जब्त की है। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को दोनों जगहों से 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एटीएस के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 800 करोड़ रुपए के करीब है। वहीं गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्ट्री में भी कार्रवाई के दौरान 31 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ट्रामाडोल जब्त की गई है। 2018 में ट्रामाडोल ड्रग्स को भारत सरकार ने बैन कर दिया था। ड्रग के भारी मात्रा में टेरर ग्रुप तक सप्लाई होने की जानकारी के बाद यह फैसला लिया गया था। ट्रामाडोल को फाइटर ड्रग्स के नाम से भी जाना जाता है। इसका आतंकवादी लंबे समय तक जागने के लिए लेते हैं।

ड्रग्स बनाने के लिए 2 भाइयों ने खरीदा था फ्लैट

डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि एक विशेष सूचना के आधार पर एटीएस की टीम ने 5 अगस्त को महाराष्ट्र के ठाणे के भिवंडी में एक अपार्टमेंट पर छापा मारा। यहां से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया। साथ ही मौके पर मोहम्मद युनूस शेख और उसके भाई आदिल शेख को पकड़ा गया। उन्होंने आगे कहा कि गैरकानूनी तरीके से मेफेड्रोन बनाने के लिए दोनों आरोपियों ने पिछले 9 महीने से महाराष्ट्र के भिवंडी स्थित एक फ्लैट रेंट पर लिया था। रॉ मटेरियल समेत अन्य सामान को एकत्र करके केमिकल प्रोसेसिंग शुरू किया था। ड्रग का उनका पिछला बैच नहीं बन पाया था लेकिन यह बैच लगभग तैयार हो चुका था। जब छापेमारी की गई तो लिक्विड ड्रग्स को पाउडर फॉर्म में बदला जा रहा था। सुनील जोशी ने कहा कि 18 जुलाई को सूरत के मेफेड्रोन प्रोडक्शन यूनिट पर कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

पीर पंजाल में बढ़ा गतिरोध, भारत पहले ही प्रॉक्सी वॉर का कर रहा सामना

सीडीएस बोले-हमारे पड़ोस में अस्थिरता भी हमारे लिए चिंता की वजह

नई दिल्ली।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर फिर तनाव बढ़ने लगा है। भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने गुरुवार को कहा है कि पीर पंजाल क्षेत्र में अचानक गतिरोध बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हो रही हिंसा की वजह से चिंताएं पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बीच दूसरे देशों के साथ सीमा पर तनाव पहले से ही कायम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में एक कॉन्फ्रेंस में सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि भारत के पास सुरक्षा चुनौतियों का अपना हिस्सा है। हम पहल से ही जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की ओर से छेड़े प्रॉक्सी वॉर से लड़ रहे हैं। इसमें अब अचानक से पीर पंजाल रेंज में गतिरोध में इजाफा हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि चीन के साथ लंबे समय से चला आ रहा सीमा विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। सीडीएस ने बांग्लादेश हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि हम इस वक्त दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिसमें हमारे पड़ोस में अस्थिरता भी हमारे लिए चिंता की वजह है। भारत जैसे बड़े देश के लिए सुरक्षा संबंधी बहुत सारी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा भारत युद्धक हथियारों के लिए विदेशी आयात पर निर्भर नहीं रह सकता। खासतौर पर तब जहां वैश्विक सुरक्षा और सरकार हमेशा अस्थिर स्थिति का सामना करती है। सीडीएस का बयान ऐसे समय आया है, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में इजाफा देखने को मिला है। जुलाई के महीने में कई बार आतंकी घटनाएं हुईं, जिसमें सेना के कई जवान भी शहीद हुए। अब बांग्लादेश राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। शेख हसीना पीएम पद से इस्तीफा देकर भारत में शरण ली हुई हैं। फिलहाल बांग्लादेश की सेना ने कमान संभाली हुई है।

विनेश गोल्ड की हकदार, नंबर होता तो उसे राज्यसभा भेजता: हुड्डा

- फोगाट बोली-अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी

नई दिल्ली।

राजस्थान के कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट के कुश्ती से संन्यास की घोषणा पर कहा कि विनेश फोगाट को गोल्ड मिलना चाहिए। सरकार को मामले को देखना चाहिए कि वह गोल्ड की हकदार है। पहली बार ओलंपिक में ऐसे किसी को अयोग्य घोषित किया गया है। मेरे पास अगर नंबर होते तो विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजता।

बता दें विनेश फोगाट को महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा के फाइनल मुकाबले से पहले 100 ग्राम ज्यादा वजन होने से बुधवार को पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बाद विनेश फोगाट ने इस घटना से दुखी होकर कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान करते हुए कहा कि- मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके हैं इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024। आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी।

वहीं इससे पहले विनेश फोगाट ने बुधवार को ओलंपिक फाइनल से खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए। बता दें हरियाणा की इस धाकड़ पहलवान का पेरिस तक का सफर आसान नहीं रहा और बहुत कुछ दांव पर लगा था। पेरिस ओलंपिक में उन्हें अपने पसंदीदा 53 किग्रा की बजाय 50 किग्रा में उतरना पड़ा। ओलंपिक क्वालीफायर से पहले कई ट्रायल मुकाबले हुए और इस बीच उन्हें घुटने की सर्जरी भी करानी पड़ी थी। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन करने पर उनकी काफी आलोचना हुई और मामला पुलिस और अदालत तक भी पहुंच गया था।

वहीं हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने घोषणा की है कि भले ही विनेश फोगाट फाइनल नहीं खेल पाईं, लेकिन उन्हें ईनाम से लेकर वह सभी सुविधाएं दी जाएंगी, जो एक सिल्वर मेडलिस्ट को दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी डिजिटल लैंडिंग एप से निपटने आरबीआई सख्त, अब लोन लेना नहीं होगा आसान

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मॉनेटरी पॉलिसी में डिजिटल एप लोन को लेकर सख्त कदम उठाया है। आरबीआई ने फर्जी डिजिटल लैंडिंग प्लेटफॉर्म से निपटने के लिए पब्लिक रेपोस्टरी बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह नियामक संस्था डिजिटल लोन एप की बेहतर निगरानी करने के लिए इस नियामक संस्था को अपनी रिपोर्ट आरबीआई को देनी होगी। इसके अलावा यूपीआई-बेस्ड टैक्स पेमेंट के लिए लेनदेन की सीमा एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। इसके अलावा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि होमलोन कंपनियां नियमों की अनदेखी कर रही हैं और ऐसे में इन नियमों का उल्लंघन रोकना जरूरी है। मॉनेटरी पॉलिसी में आरबीआई गवर्नर ने देश के फाइनेंशियल सेक्टर को मजबूत बताया है। उन्होंने कहा कि देश का वित्तीय बाजार स्थिर है फिर भी उन्होंने बैंकों और एनबीएफसी में और सुधार के लिए नए उपायों को बनाने की सलाह दी है। वहीं, आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से अपनी बचत योजनाओं में डिपॉजिट को और बढ़ाने के लिए नई रणनीतियों को अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि निवेशकों के पास इन्वेस्टमेंट के अन्य विकल्प होने से वह बैंकों में पैसा जमा नहीं कर रहे हैं। ऐसे में बैंकों के लिए डिपॉजिट को सिक्योर करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसी स्थिति में बैंकों के सामने लिक्विडिटी से जुड़ी परेशानियां पैदा हो सकती हैं।

थूक से मसाज करने वाला यूसूफ जेल में.....दुकान पर चला बुलडोजर

पूर्व सांसद ने घटना को थूक जिहाद बताया

लखनऊ । यूपी के कन्नौज में थूक से मसाज करने वाले सैलूनकर्मी यूसुफ को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उसके सैलून पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई है। ये सैलून एक छोटी सी गुमटी में चलाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि यूसुफ की सैलून शॉप (गुमटी) अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर बनी थी। इसके बाद नगर पंचायत प्रशासन ने इस अतिक्रमण को हटवा दिया। बता दें कि सैलूनकर्मी यूसुफ का थूक लगाकर ग्राहक का मसाज करने का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भड़क उठे। उन्होंने पुलिस से शिकायत की, इसके बाद जांच पता चला कि वीडियो कन्नौज जिले का है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर यूसुफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद अब नगर पंचायत प्रशासन ने अवैध तरीके से अतिक्रमण कर बनाए गए सैलून को भी बुलडोजर से गिरा दिया। थूक से मसाज करने वाले वीडियो को लेकर कन्नौज के पूर्व बीजेपी सांसद सुब्रत पाठक ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस हरकत को थूक जिहाद बताया था। पूर्व सांसद पाठक ने लिखा, ये थूक जिहाद की घटना कन्नौज के तालग्राम की है।

केंद्र सरकार बदलेगी महंगाई का फार्मूला

नई दिल्ली । केंद्र सरकार महंगाई दर के मानक को बदलने की तैयारी कर रही है। खाद्य सामग्रियों के जो आंकड़े अभी दिए जा रहे हैं। उन खाद्य सामग्रियों में परिवर्तन किया जाएगा। मानक बदल जाने से आने वाले समय में महंगाई दर के मानक भी बदल जाएगें । आर्थिकी एवं सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा मानक के लिए नया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स बास्केट में 54।5 फीसदी वेज फुड और ब्रेवरेज केटेगरी का होता है। इसमें बदलाव किया जा रहा है। ताकि महंगाई की तेजी को रोका जा सके। सरकार के ऊपर महंगाई भत्ते के रूप में जो बोझ बढ़ रहा है। उसे सरकार इस तरह से नियंत्रित करना चाहती है।

विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में बढ़े 7 लाख से ज्यादा मतदाता

मुंबई । महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 7.3 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़ गए हैं। इस साल की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव से पहले मतदाता की संख्या 9,29,43,890 थी। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी संशोधित आंकड़ों के मुताबिक मतदाताओं की संख्या बढ़कर 9,36,75,934 हो गई है। लोकसभा चुनाव से पहले पुरुष मतदाता 4,83,12,428 और महिला 4,50,17,066 थी, जिसमें 3,40,660 और 3,91,324 की वृद्धि हुई है। राज्य विधानसभा की 288 सीट के लिए इस साल अक्टूबर में चुनाव होना है।

शेख हसीना को शरण देकर भारत ने निभाई परंपरा, नई सरकार से भी न बिगड़ें रिश्ते

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने बांग्लादेश के हालात पर रखी अपनी राय

नई दिल्ली।

अक्सर अपने बयानों को लेकर विवादों में रहने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने बांग्लादेश को लेकर कहा है कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को शरण देकर भारत ने अपनी सांस्कृतिक परंपरा निभाई है, लेकिन भारत को बांग्लादेश की नई सरकार से भी अपने रिश्ते नहीं बिगाड़ने चाहिए। अय्यर ने ये बात एक साक्षात्कार में कही है। कांग्रेस नेता अय्यर ने कहा मुझे खुशी है कि हिंदुस्तान ने शेख हसीना का स्वागत किया है, और यह भी इशारा किया है कि जब तक कि वह कहां जाकर बसना चाहती हैं, तब तक उनका भारतवर्ष में स्वागत है। अय्यर ने कहा कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों में से भारत देश के लिए सबसे बेहतरीन पीएम शेख हसीना ही रही हैं। उन्होंने कहा कि शेख हसीना की सोच सेकुलर है। उन्होंने अपने देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के बचाव के लिए उनकी प्रगति के लिए बहुत कुछ किया है, जो काबिल-ए-तारीफ है। अय्यर ने कहा कि लेकिन बांग्लादेश में जो नई सरकार आ रही है हमें यह मानना चाहिए कि यह तय करना बांग्लादेश का हक है कि वहां कौन सरकार चलाएगा और जो भी आए उनके साथ अच्छे संबंध कायम करना हमारा फर्ज बनता है। ऐसा न हो कि हसीना की खातिर हम अपने रिश्ते बांग्लादेश से बिगाड़ लें। उन्होंने कहा कि शेख हसीना भारत की बहुत करीबी दोस्त रही हैं और आज उनके मुश्किल समय में भारत ने उन्हें शरण दी है। भारत हमेशा से शरण देता आया है। हमारी विरासत में यह है कि हमारे दोस्त जब दिक्कत में हों तो उनको भरोसा होना चाहिए कि उनको भारत में शरण मिलेगी। बता दें बांग्लादेश में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है। हालात ऐसे हो गये कि पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। वह इस समय भारत में हैं। गुरुवार रात बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का शपथ ग्रहण होना है। अय्यर ने कहा कि खबरें आ रही हैं कि बांग्लादेश के घटनाक्रम के पीछे शायद पाकिस्तान और अमेरिका का दखल रहा हो, लेकिन अब तक कोई पक्के सबूत नहीं मिले हैं। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ बातचीत के बारे में उन्होंने ने कहा कि हमारे देश के अल्पसंख्यकों के लिए उसके साथ बातचीत जरूरी है।

जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में एक साथ हो सकते हैं विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग इन राज्यों का करेगा दौरा फिर होगा फैसला

नई दिल्ली।

जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव एक साथ हो सकते हैं। झारखंड चुनाव अलग से होने की बात कही जा रही है। इस पर आखिरी फैसला 20 अगस्त तक लिया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक जम्मू कश्मीर के बाद चुनाव आयोग हरियाणा और महाराष्ट्र का दौरा करेगा। 12-13 अगस्त को हरियाणा के दौरे पर चुनाव आयोग जाएगा। हरियाणा के बाद चुनाव आयोग महाराष्ट्र का भी दौरा करेगा। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव, झारखंड का चुनाव अलग होने की संभावना बरकरार है। हरियाणा और महाराष्ट्र में अक्टूबर में मतदान होना है।

जम्मू कश्मीर में सितंबर-अक्टूबर में मतदान संभावित है। जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने का अंतिम फैसला सभी से बात करने के बाद होगा। हालांकि चुनाव आयोग ने अब तक जो चुनावी दिशा निर्देश जारी किए हैं वह जम्मू कश्मीर हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के लिए भी हैं, लेकिन चुनाव आयोग के पास झारखंड के चुनाव को अलग करने का भी विकल्प मौजूद है।

सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार 9 अगस्त को आयोग की टीम सुबह जम्मू के लिए रवाना होगी। इससे पहले श्रीनगर में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से मुलाकात करेगी।

टीम जम्मू में दोपहर करीब एक बजे प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक के बाद 2-30 बजे पत्रकारवार्ता करेगी। शाम 4-30 बजे टीम दिल्ली के लिए रवाना होगी। टीम के इस दौरे को जम्मू-कश्मीर में आगामी चुनावों की समय सीमा और तौर-तरीके तय करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)